भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 62 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 सितंबर 2025 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
29 अधिकतम
24 न्यूनतम

Page-7

दीपावली का था वादा, नवरात्र से ही मिलेगी सौगात

मोदी का फेस्टिवल बोनांज़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिका से चल रहे टेरिफ वार के बीच केंद्र सरकार ने आगामी 22 सितंबर से जीएसटी दरों में बड़ी कटौती की घोषणा कर दी है। इस फैसले को अर्थशास्त्री और राजनीतिक पर्यवेक्षक, दोनों ही अहम मान रहे हैं। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की एक ऐसी पहल बताया जा रहा है जो न सिर्फ आम जनता की खरीदी क्षमता और सार्वजनिक खर्च को बढ़ावा देगी, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी के लिए बड़ा तोहफा भी साबित होगी। नई दरों के तहत रोजमर्रा की जरूरत की ज्यादातर वस्तुओं पर जीएसटी को घटाकर या तो 5 फीसदी कर दिया गया है या शून्य। मेडिकल और जीवन बीमा पॉलिसी पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। साथ ही जीवन रक्षक दवाओं और अधिकांश दवाओं पर कर दरें कम कर दी गई हैं। इससे आम आदमी को सीधी राहत मिलेगी. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस बार त्योहारों के मौसम में उपभोक्ता खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। जीएसटी कटौती नवरात्रि के पहले दिन यानी 22 सितंबर से लागू होगी, जो दिवाली (20 अक्टूबर) से लगभग एक महीने पहले है। इससे उपभोक्ता खरीदारी को टालने की बजाय बढ़ाएंगे। बजट में नए टैक्स सिस्टम के तहत दी गई इनकम टैक्स राहत के बाद यह सरकार की तरफ से आम जनता के लिए इस साल का दूसरा बड़ा तोहफा है।

चार राज्यों में विधानसभा चुनाव

सूत्रों के अनुसार बीजेपी आगामी बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और तमिलनाडु चुनावों में इस कदम को अपने प्रचार अभियान का अहम हिस्सा बनाने जा रही है। पार्टी इस बात पर जोर देगी कि मोदी सरकार ने आम जनता की जेब में ज्यादा पैसा छोड़ा है और उनकी क्रय शक्ति को बढ़ाया है। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में जीएसटी दरों के सरलीकरण को दिवाली गिफ्ट बताया था, लेकिन सरकार जानती थी कि अगर ये कटौती दिवाली के ठीक पहले की जाती तो उपभोक्ता खरीदारी को टाल सकते थे। इसलिए इसे समय से पहले लागू करने का फैसला किया गया। नई दरों के तहत रोजमर्रा की जरूरत की ज्यादातर वस्तुओं पर जीएसटी को घटाकर या तो 5त्न कर दिया गया है या शून्य। मेडिकल और जीवन बीमा पॉलिसी पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा. साथ ही जीवन रक्षक दवाओं और अधिकांश दवाओं पर कर दरें कम कर दी गई हैं। इससे आम आदमी को सीधी राहत मिलेगी।

हवाई सफर पर असर

हवाई जहाज के इकोनॉमी क्लास टिकट पर सिर्फ 5 फीसदी जीएसटी लगेगा, जबकि पहले यह 12 फीसदी था। वहीं बिजनेस क्लास टिकटों पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी कर दिया गया है। त्योहारों और छुट्टियों में जब हवाई टिकटों की डिमांड तेजी से बढ़ती है, उस समय ये राहत यात्रियों के बजट को हल्का करेगी और उड़ान भरना और आसान बना देगी। ये बदलाव सिर्फ जेब को हल्का करने तक सीमित नहीं हैं। सरकार का मकसद है कि इन कटौतियों से सेवाओं के सेक्टर खासकर रेस्टोरेंट, होटल और एविएशन में खपत बढ़ेगी। महामारी और उसके बाद के समय में सबसे ज्यादा चोट इन्हीं सेक्टर्स को लगी थी।

अमेरिका को सीधा सन्देश

आज की स्थिति में देखें तो अमेरिका हमारे कृषि और लघु उद्योग उत्पादों पर टैरिफ लगाकर बाजार पर कब्जा करना चाहता है। ऐसे में जीएसटी 2.0 किसानों और छोटे उद्योगों को सशक्त बनाकर भारत की अर्थव्यवस्था को इन बाहरी दबावों से बचाएगा। यह फैसला आत्मनिर्भर भारत की ओर एक ठोस कदम है।

रेस्टोरेंट में खाना कितना सस्ता?

पहले रेस्टोरेंट में खाने पर टैक्स 12 फीसदी से 18 फीसदी तक लगता था. लेकिन अब जीएसटी घटाकर सिर्फ 5 फीसदी कर दिया गया है। इसका मतलब है कि बाहर खाना, दोस्तों के साथ पार्टी करना या त्योहार पर बाहर घूमने जाना अब जेब पर भारी नहीं पड़ेगा। रेस्टोरेंट इंडस्ट्री, जो टैक्स की वजह से घटती डिमांड से जूझ रही थी, रफ्तार पकड़ सकेगी।

जीएसटी में बदलाव के बाद सस्ता

सामान	पुराना जीएसटी रेट	नया जीएसटी रेट
दूध, पनीर, छेना	5 फीसदी	0 फीसदी
बटर, खोआ, घी, डेयरी प्रोडक्ट्स	12 फीसदी	5 फीसदी
सीआई-अवरोधक इंजेक्शन व इंक्लिसिरन	12 फीसदी	0 फीसदी
पर्सनल हेल्थ इश्योरेंस और जीवन बीमा	12 फीसदी	0 फीसदी
खाखरा या रोटी, ब्रेड	5 फीसदी	0 फीसदी
रबड़, मैप, चार्ट, पेंसिल शार्पनर, बुक और नोटबुक	5 फीसदी	0 फीसदी
350 सीसी तक बाइक व एसी, छोटी कारें टीवी	28 फीसदी	18 फीसदी

जीएसटी बदलाव के बाद महंगा

सामान	पुराना जीएसटी रेट	नया जीएसटी रेट
कोल्ड ड्रिंक, ऐडेड शुगर 1,200 सीसी वाहन	28 फीसदी	40 फीसदी
नॉन अल्कोहलिक बेवरेज	28 फीसदी	40 फीसदी
कार, तंबाकू और सिगरेट	28 फीसदी	40 फीसदी
कैसीनो, रेस क्लब, आईपीएल खेल में एंट्री	18 फीसदी	40 फीसदी
घुड़दौड़, लॉटरी और ऑनलाइन मनी गेमिंग	28 फीसदी	40 फीसदी
रिवॉल्वर और पिस्तौल	28 फीसदी	40 फीसदी

33 जीवन रक्षक दवा पर जीएसटी शून्य- ओनासेमनोजेन अबेपार्वोवेक, एस्किमिनिब, मेपोलिजुमाब, पेगीलेटेड लिपोसोमल इरिनोटेकन, डाराटुमुमाब, डाराटुमुमैब उपचर्म, टेक्लिस्टामैब, अमिवंतामब आदि

ट्रम्प की टैरिफ ट्रिक से अमेरिका को घाटा, भारत को फायदा

जीएसटी के नए टैक्स सुधारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत वाला कदम बताया है तो राहुल गांधी भी अब गब्बर सिंह टैक्स की तोहमत नहीं लगा सकेंगे। सोशल मीडिया पर लोग मजाक में ही सही पर इसका सेहरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टेरिफ ट्रिक के सिर बांध रहे हैं। उन्होंने टैरिफ वार से अमेरिका की इकॉनामी को ध्वस्त करने की जमीन तैयार कर दी है लेकिन भारत को जीएसटी के स्लैब में सुधार के रास्ते पर ला दिया। बाजार, टैक्स सलाहकारों से लेकर आर्थिकी के कई जानकार अफसरों से बातचीत का लब्बोलुआब यही है कि यह देर आए पर दुरूस्त आए वाला कदम है। यह भारत के बाजार को गुलजार करेगा। भारत को कई देशों में अपना माल निर्यात बढ़ाकर अमेरिकी टैरिफ से संभावित नुकसान की भरपाई में मील का पत्थर भी साबित होगा। हालांकि ऐसे कदमों की दरकार अभी है जिससे रिटेल विक्रेताओं व्दारा ग्राहकों से वसूला जाने वाला जीएसटी सरकारी खजाने में पहुंचे। बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमतों को दुनिया में प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए मोदी सरकार फॉरेन ट्रेड प्रमोशन 2025-26 की नीति बना रही है, जिसके बाद क्या सुधार होंगे , तभी इसका आकलन हो सकेगा। ट्रम्प के टैरिफ से भारत को संभावित 48 बिलियन डॉलर के नुकसान के साथ चीन के साथ निर्यात और आयात के संतुलन की कितनी कोशिश होगी और अन्य देशों में कितना निर्यात बढ़ सकता है?

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने 5 और 18 फीसदी के स्लैब के जरिए देश के किसान और गरीब से लेकर मध्यम आय वर्गीय यानि निम्न मध्यम और उच्च मध्यम आय वर्गीय लोगों के लिहाज से सुधार लागू करने का ऐलान किया है। देश के अल्ट्रा क्लास व्दारा प्रयुक्त सेहत के निए नुकसानदेह वस्तुओं पर 40 फीसदी का स्लैब लगाकर जीएसटी की संभावित भरपाई की कोशिश की है। निर्मला का आकलन है कि स्लैब में प्रस्तावित सुधारों से जीएसटी संग्रह में 98 हजार करोड़ का जो नुकसान हो सकता है उसमें 40 फीसदी स्लैब 45 हजार करोड़ के नुकसान की भरपाई कर देगा। चार्टड अकाऊंटेंट और जीएसटी सलाहकार भरत गुरबानी के दावे को माने तो नए सुधारों से सरकारी आय पर महीने - दो महीने पांच से दस फीसदी का नुकसान हो सकता है लेकिन इसके बाद जीएसटी कलेक्शन में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी होगी। यानि जो राज्य सरकारें जीएसटी से नुकसान की भरपाई मांग कर रही हैं, उन्हें थोड़ा सब्र रखना होगा। क्योंकि, टेक्स स्लैब कम होने से भारतीय बाजार में दो लाख करोड़ की खपत बढ़ेगी तो उसकी भरपाई ही नहीं होगी बल्कि सरकारों को ज्यादा फायदा देकर जाएगी।

मनमोहन सिंह के सुझाव मानने में देरी तो नहीं कर दी सरकार ने?

आर्थिक नीति और विदेश नीति के जानकार एक अफसर ने अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि भारत में जीएसटी में जो ताजा बदलाव मोदी सरकार करने जा रही है उसे लागू होने में 15 साल की देरी हो गई। उनका मानना है कि स्व. प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जीएसटी लागू करने की बात करते वक्त केवल 5 और 14 फीसदी के स्लैब की बात की थी। लेकिन एनडीए सरकार के दौरान वित्त मंत्री स्व. अरूण जेटली ने इसे लागू नहीं होने दिया। उनका दावा है कि यदि यह स्लैब तभी लागू हो जाते तो भारतीय बाजारों से लेकर विदेशों में निर्यात कई गुना बढ़ जाता। वह तो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे जो इस गलत फैसले के दुष्प्रभावों को झेल गए। नरेंद्र मोदी नोटबंदी के अपने फैसले और एनडीए सरकार के वित्त मंत्री के खराब तरीकों से लागू जीएसटी से झटके के असर से अपनी सरकार को बचाकर ले गए। मोदी ने अपनी गल्तियों को जल्द पहचानने और सुधारने की अपनी क्षमता से इसे संभाल लिया। 8 नवंबर 2016 की रात से लागू नोटबंदी के फैसले में सुधार करने के लिए मोदी ने तीन महीने में 64 बदलाव किए। इसके बाद जल्दबाजी में 1 जुलाई 2017 से लागू जीएसटी में अब तक 1200 संशोधन जरूर हो चुके हैं। मोदी का डैमेज कंट्रोल इसलिए भी हो गया क्योंकि यूपीए सरकार की विदाई के विपक्ष की भूमिका नकारात्मकता से भरी थी या अभी भी है, जिसके चलते देश की बड़ी आबादी ने उन्हें देशहित के नाम पर नकार दिया।

रिटेल कारोबारी की जेब से सरकार तक कैसे पहुंचे टैक्स ?

ताजा सुधारों में कुछ अव्यवहारिक प्रावधान भी हैं। जैसे कि फल और सब्जियों पर पांच फीसदी टैक्स। यह कैसे और किससे वसूल होगा यह समझ से परे है। टैक्स सलाहकार भरत गुरबानी का मानना है कि बी-टू बी यानि बिजनेस टू बिजनेस सौदों के आंकड़े और उस पर जीएसटी के ऑनलाइन आंकड़े सरकार के पास रहते हैं। लेकिन रिटेल कारोबारी से उपभोक्ता की खरीदी पर मिलने वाले जीएसटी की सरकार को अदायगी रिटेल कारोबारी की इच्छा पर निर्भर है। टैक्स चोरी के लिए जीएसटी अफसर इस चोरी को रोकने की मुहिम चलाते हैं। लेकिन हर खरीददार के पास जीएसटी नंबर तो नहीं होता इससे टैक्स की वास्तविक आय का आकलन सिर्फ तभी हो पाता है जबकि ऑन लाइन ट्रांजेक्शन हो। नकदी में खरीदी की पर्चियों को फाड़कर कारोबारी जीएसटी सरकार के खाते में जमा नहीं कराते। रिटेलर्स के कारोबार पर सीधी निगरानी के लिए कोई ऑनलाइन व्यवस्था भी नहीं है। इसलिए जितना कैशलेश कारोबार यूपीआई, क्रेडिट या डेबिट कार्ड से होगा उतनी चोरी रूकेगी। सरकार के प्रयास इस दिशा में जारी हैं लेकिन नकदी में लेनदेन पर पूरी रोक लगने तक पूरा जीएसटी वसूल नहीं हो सकता। हालांकि व्यवहारिक धरातल पर यह भी पूरी तरह मुमकिन नहीं।

अब तक 394 लोगों की मौत, अभी भी बारिश का दौर

प्रदेश में बारिश से बिगड़े हालात कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में एक बार फिर से मानसून सक्रिय होने से भारी बारिश हो रही है। प्रदेश के अधिकांश जिले बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे हैं। बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। नर्मदा सहित अन्य नदियों पर बने 5 डैम के गेट खोलने पड़े हैं। प्रदेश के 9 जिलों में अति भारी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने निचले इलाकों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया है। इनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर सहित सीहोर, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, देवास शामिल हैं। अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हरदा और शिवपुरी के कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया। प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश और बाढ़ ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस सीजन में बारिश और इससे बने बाढ़ के हालातों से अब तक 394 लोगों की मौत हो गई है।

कई बांधों के गेट खुले

प्रदेश के बरगी बांध के 9 गेट, इंदिरा सागर बांध के 12 रेडियल गेट, ओंकारेश्वर बांध के 19 गेट, तवा डैम के 5 गेट, अटल सागर बांध मणिखेड़ा के सिंध नदी में पानी बढ़ने के कारण खोले गए हैं।

पंजाब और हरियाणा में बाढ़ से 48 की मौत

भारी बारिश से हिमाचल के कुल्लू में लैंडस्लाइड हुआ। दिल्ली में यमुना का पानी सड़कों पर आ गया है। फ्लाईओवर धंस गया है। बताया गया कि पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में स्थिति बिगड़ गई है। अब तक करीब 48 से ज्यादा लोगों की मौतें हो चुकी है। पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ आ गई है। पठानकोट में 3 लापता हैं।

पीएम की मां पर टिप्पणी का मामला: बिहार बंद, पटना समेत कई जिलों में प्रदर्शन

पटना, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी की मां को दरभंगा में वोटर अधिकार रैली में अभद्र टिप्पणी को लेकर नाराज भाजपा ने सुबह 7 से 12 बजे तक बिहार बंद रखा। बंद को देखते हुए पटना में 2000 से ज्यादा पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। वहीं बंद को लेकर कांग्रेस और जेडीयू कार्यालय की सुरक्षा पुलिस द्वारा कड़ी कर दी गई। राज्य के पटना, समस्तीपुर, छपरा, बेगूसराय हाजीपुर, दरभंगा, औरंगाबाद, सिवानी समेत 12 जिलों में हाइवे जाम किया गया है। वहीं कई जिलों में सड़कों पर उतरे भाजपाइयों द्वारा वाहनों को जबरन हाइवे पर रोका गया। राजधानी पटना में भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर बैठे हुए दिखाई दिए। जगह-जगह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर पुतले जलाए गए। इसके अलावा कई जिलों से आगजनी और हिंसा फैलने की भी खबर है। इस आंदोलन का नेतृत्व महिला मोर्चा ने किया। बंद को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी रही।

शिखर धवन पहुंचे ईडी ऑफिस ऑनलाइन बेटिंग केस में पूछताछ

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रहे शिखर धवन को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया। मामला ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़ा हुआ है। धवन सुबह 11 बजे ईडी दफ्तर पहुंचे। वे वन एक्स एप प्रमोट कर रहे थे। इससे पहले इसी केस में क्रिकेटर सुरेश रैना से भी पूछताछ हो चुकी है। एजेंसी ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े वित्तीय लेन-देन और संभावित निवेश की जांच कर रही है। धवन से पूछताछ इसी सिलसिले का हिस्सा है। ध्यान रहे बेटिंग ऐप वन एक्स वेट ने सुरेश रैना को पिछले साल दिसंबर में अपना गेमिंग एम्बेसडर बनाया था। कंपनी ने तब कहा था, सुरेश रैना के साथ हमारी यह साझेदारी स्पोर्ट्स बेटिंग के फैन्स को जिम्मेदारी के साथ बेटिंग के लिए प्रोत्साहित करेगी।

मेट्रो एंकर | दो दिन की धार्मिक नगरी यात्रा का राज आया सामने

ससुर का बर्थडे सेलिब्रेट करने महेश्वर आए थे सचिन

खरगोन, एजेंसी

प्रदेश की धार्मिक नगरी महेश्वर में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अपने परिवार के साथ दो दिन का समय बिताया लेकिन अभी तक यह सामने नहीं आ पाया कि इस निजी यात्रा का मकसद क्या था। उनका यह दौरा बेहद निजी, पारिवारिक और धार्मिक रहा। अब जानकारी निकलकर आ रही है कि सचिन ने यहाँ अपने ससुर का जन्मदिन भी मनाया। यहां उनकी पसंद की खास साउथ इंडियन डिश परोसी गई। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर और उनके परिवार के महेश्वर दौरे का राज अब सामने आया है। यह दौरा सिर्फ पर्यटन के लिए ही

नहीं, बल्कि एक बेहद खास पारिवारिक समारोह के लिए था। दरअसल सचिन अपने ससुर आनंद मेहता का जन्मदिन मनाने यहां आए थे। सचिन, उनकी पत्नी अंजलि, बेटी सारा, सास अन्नाबेल और ससुर आनंद मेहता 31 अगस्त को महेश्वर पहुंचे थे पारिवारिक मित्र और रिश्तेदारों का समूह भी था। यहां पहुंचने तक उनके दौरे की जानकारी गोपनीय रखी गई थी। केवल पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकादी थी। सचिन ने अपनी यात्रा के दौरान मंदिरों, ऐतिहासिक किले को निहारा और महेश्वरी साड़ी निर्माण की प्रक्रिया को बेहद नजदीक से देखा था। उन्होंने जाने के पूर्व बच्चों के बैट टी-शर्ट और टोपी पर ऑटोग्राफ भी दिए।

पसंदीदा साउथ इंडियन डिशेज परोसी गईं : उन्होंने बताया कि सचिन तेंदुलकर व उनके परिवार का मेनू होटल डायरेक्टर महाराज रिचर्ड होल्कर ने ही तैयार किया था।

शालीनता से सभी अभिभूत

सचिन तेंदुलकर का कद जितना बड़ा है, वे उतने ही विनम्र और सादगी से भरे हैं। अहिल्या फोर्ट हेरीटेज होटल, जहाँ सचिन रुके थे, के मैनेजर हुसैन अली ने बताया कि पूरा होटल स्टाफ सचिन तेंदुलकर जैसी सेलेब्रिटी और उनकी फैमिली की सादगी व सौम्यता देखकर अभिभूत हो गया। उन्होंने बताया कि दरअसल सचिन तेंदुलकर महेश्वर के ऐतिहासिक किले, महेश्वरी साड़ी निर्माण और मंदिरों को देखने के अलावा उनके ससुर आनंद मेहता का जन्मदिन मनाने यहां आए थे। उन्होंने बताया कि 1 सितंबर को आनंद मेहता का जन्मदिन होटल में ही सादगी के साथ मनाया गया।

सुबह तक चला डोल ग्यारस पर बप्पा का विसर्जन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। झमाझम बारिश के बीच नाचते गाते और गुलाल उड़ाते श्रद्धालु ने भोपाल के राजा का विसर्जन किया। डोल ग्यारस पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को विदाई दी और लड्डू गोपाल को घाट भ्रमण कराया। डोल ग्यारस उत्सव समिति के चल समारोह में चांदी के सिंहासन पर विराजे भोपाल के राजा सहित तकरीबन 100 प्रतिमाएं शामिल थी। चल समारोह में श्रद्धालु गणपति बप्पा और राधे-राधे के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। चल समारोह में आगे गोरिल्ला का स्वरूप भी था जो लोगों का मनोरंजन कर रहा था, वहीं विटेंज कार में राधा कृष्ण के स्वरूप में कलाकार शामिल थे। बैंड, डीजे, ढोल के साथ-साथ अखाड़ों के कलाकार प्रस्तुति दे रहे थे। बारिश के कारण प्रतिमाओं को पन्नियों और छातों से ढाका गया। यह चल समारोह सावरकर चौक, लखेरापुरा, सोमवारा, जनकपुरी, चार बत्ती सहित विभिन्न मार्गों से होता हुआ रात्रि 8 बजे खटलापुरा पहुंचा। यहां भगवान श्रीगणेश विसर्जन किया। अनंत चतुदर्शी पर भी चल समारोह निकाला जाएगा।

कोलांस 3.5 फीट ऊपर बह रही; भदभदा डैम के खुलेंगे गेट

0.7 फीट पानी आते ही छलकेगा का बड़ा तालाब, लेवल 1666.10 फीट पहुंचा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी भोपाल में पिछले 24 घंटे में 1.9 इंच बारिश हो गई। वहीं, सीहोर जिले में भी बारिश का दौर जारी रहा। इस वजह से भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में पानी बढ़ गया है। गुरुवार सुबह तक लेवल 1666.10 फीट पर आ गया। यानी, अब तालाब पौन फीट भी खाली नहीं है। 0.7 फीट पानी आते ही बड़ा तालाब से पानी छलक उठेगा। यदि बारिश का दौर जारी रहा तो शुक्रवार को ही भदभदा डैम के गेट खुल सकते हैं। सीहोर जिले और कैचमेंट एरिया में बारिश होने की वजह से कोलांस नदी भी साढ़े 3 फीट ऊपर से बह रही है। यह पानी सीधे बड़ा तालाब में पहुंच रहा है। इस वजह से बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है। बड़ा तालाब के साथ कोलार, केरवा और कलियासोत डैम में भी पानी की बढ़ोतरी हुई है।

हालांकि, ये सभी पिछले साल जुलाई में ही भर गए थे, लेकिन इस बार अगस्त सूखा रहा। ज्यादा बारिश नहीं होने की वजह से भदभदा, केरवा, कलियासोत और कोलार डैम के गेट नहीं खुल सके।

भोपाल के इन डैमों में इतना पानी

कोलार डैम: इसका वाटर लेवल 1516.40 फीट है। अभी इसमें 1503.14 फीट पानी जमा है। इस हिसाब से यह काफी खाली है। कोलार डैम से ही भोपाल शहर के 40% हिस्से में पानी की सप्लाई की जाती है। पिछली बार जुलाई में इसके गेट खोलने पड़े थे।

केरवा डैम: कुल 1673 फीट वाले केरवा डैम में अब तक करीब 1666.50 फीट पानी आ चुका है। तेज बारिश होने के बाद डैम में पानी का लेवल बढ़ जाएगा।

कलियासोत डैम: डैम का अभी वाटर लेवल लगभग 1650 फीट है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1659.02 फीट है। इसके चलते डैम अभी भी करीब 9 फीट खाली है। बड़ा तालाब के गेट खुलने पर कलियासोत डैम में पानी आएगा और गेट खुल जाएंगे।

बड़ा तालाब भरने से 2 डैम के खुलते हैं गेट

कोलांस नदी जब उफान पर रहती है तो बड़ा तालाब में पानी जमा होता है। जब बड़ा तालाब पूरा भर जाता है तो भदभदा डैम के गेट खोले जाते हैं। यह पानी सीधे कलियासोत डैम में पहुंचता है। जिससे इस डैम का लेवल भी बढ़ जाता है और फिर इसके गेट भी खुल जाते हैं।

3 लाख आबादी की प्यास बुझाता है बड़ा तालाब

बड़ा तालाब को शहर की लाइफ लाइन कहा जाता है। इसकी वजह यह वाटर लेवल तो बेहतर रखता ही है। साथ में बड़ी आबादी की प्यास भी बुझाता है। बड़ा तालाब से हर दिन पुराने शहर समेत बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) समेत आसपास के इलाकों की 3 लाख से ज्यादा आबादी को पानी की सप्लाई की जाती है। 20% से ज्यादा इलाकों में पानी पहुंचता है। बड़ा तालाब से हर रोज 25 MGD (मिलियन गेलन पानी प्रतिदिन) सप्लाई होता है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है।

समकक्षता एवं वेतन निर्धारण मामले में हो रहा भेदभाव

कृषि संविदा अधिकारी-कर्मचारी संघ की कृषि मंत्री से निराकरण की मांग

भोपाल, दोहपर मेट्रो

कृषि विभाग की सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल आत्मा योजनान्तर्गत संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों की समकक्षता का निर्धारण विगत 02 वर्ष से नहीं किया गया है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। कृषि संविदा अधिकारी-कर्मचारी संघ के बेनर तले समकक्षता का निर्धारण करने समेत अन्य मांगो को लेकर कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना से उनके बंगले पर मिलने पहुंचे और लंबित मांगो का निराकरण करने की गुहार लगाई।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमर सिंह जाटव ने बताया गया कि 4 जुलाई 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था की संविदा एक कलंक है। मध्य प्रदेश के संविदा कर्मियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने संविदा नीति 2023 बना कर लागू की गई, जो कि विभाग में नियमित पदों के समकक्ष कर्मचारियों के समान संविदा कर्मियों को वेतन लाभ, अवकाश लाभ एवं सामाजिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई। जिसका प्रदेश के लगभग सभी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के लिए यह संविदा नीति 01 अगस्त 2023 से लागू कर दी गई है, लेकिन कृषि विभाग की एक महत्वाकांक्षी योजना सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन 'आत्मा' योजना के संविदा कर्मचारियों को आज दिनांक तक समकक्षता एवं वेतन निर्धारण से वंचित रखा गया। जबकि इसी विभाग में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में कार्यरत संविदा कर्मियों की समकक्षता का निर्धारण आदेश जारी किया जा चुका है। उक्त दोनों योजनाएँ केंद्र वित्त पोषित योजना है। जो 60-40 (केन्द्रांश 60 प्रतिशत व राज्यांश 40 प्रतिशत) के पैटर्न पर संचालित है।

विभाग के दोगले रवैया से परेशानी

विभाग द्वारा इस दोगले रवैया से परेशान होकर संपूर्ण कृषि संविदा कर्मचारी मंत्री से मिले और अपनी बात रखी। उनसे अपील की है कि हमें भी इस संविदा नीति का लाभ 1 अगस्त 2023 से दिया जाए, जिससे हमारा भी जीवन स्तर अच्छा एवं सामाजिक सुरक्षा मिल सके। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि इनके लिए अलग से कानून है। जब सभी विभागों में समकक्षता के आदेश हो गए, तो इनका क्यों नहीं हुआ, यह अन्याय है। आदेश जारी करने उन्होंने आश्वस्त किया।

गोंडवाना मातृशक्ति ट्राइबल फाउंडेशन भेल भोपाल में चल रहे विवाद का निराकरण

भोपाल। गोंडवाना मातृशक्ति ट्राइबल फाउंडेशन भेल की पंजीकृत संस्था समस्त जनजातीय समुदाय एवं मातृशक्तियों की उन्नति और विकास के लिए सतत रूप से कार्यशील है। विगत 6 माह से द्विपक्षीय मातृशक्तियों के बीच चल रहे आंतरिक विवाद पर अब पूर्ण विराम लग गया है। असिस्टेंट रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्था द्वारा की गई जांच के संबंध में संस्था गोंडवाना मातृशक्ति ट्राइबल फाऊंडेशन द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों एवं साक्ष्यों के आधार पर संस्था की वैधानिकता एवं पंजीकरण सत्य एवं विधिसम्मत पाए गए है। जांच में पाया गया कि संस्था की वैध कार्यकारिणी सुजाता कुंजाम के नेतृत्व में संचालित हो रही है। विरोधी पक्ष मंजू शौरी द्वारा वैध दस्तावेज उपलब्ध न कराये जाने की स्थिति में एवं बार-बार अनुपस्थिति के कारण उनकी दावेदारी अमान्य पाई गई। जांच उपरांत एसिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्था द्वारा आदेशित किया गया है कि सुजाता कुंजाम की कार्यकारिणी ही संस्था की अधिकृत संचालन समिति है। उक्त जाँच संस्था की ओर से द्वितीय पक्ष को संस्था के नाम, मोहर व लेटर हेड अथवा अन्य किसी भी प्रकार का प्रयोग करना तत्काल प्रभाव से बंद करने एवं संस्था के कार्यों में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी जाती है। बहुत जल्द भोपाल में संस्था की अध्यक्ष द्वारा सामाजिक संगठनों की बैठक कर पंजीयन कार्यालय के प्रपत्र का अवलोकन कराया जाएगा।

बीएचईएल को अनुपपुर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए 2,600 करोड़ का ऑर्डर

भोपाल। बीएचईएल को अनुपपुर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए 2,600 करोड़ का ऑर्डर,भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को एमबी पावर (मप्र) लिमिटेड से अनुपपुर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर 1800 मेगावाट यूनिट की सप्लाई के लिए है, जिसकी कीमत लगभग 2,600 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) है। बीएचईएल त्रिची और हरिद्वार संयंत्रों से बॉयलर, टर्बाइन और जनरेटर की आपूर्ति करेगा। इस परियोजना की आपूर्ति को पूरा करने की समयसीमा 58 माह तय की गई है। एलओआई को बीएचईएल ने 3 सितंबर को स्वीकार किया। हाल के महीनों में बीएचईएल को कई बड़े ऑर्डर मिले हैं। इनमें गुजरात के उकाई थर्मल प्लांट में 800 मेगावाट यूनिट के लिए 7,500 करोड़ रुपये का ऑर्डर, छत्तीसगढ़ में थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए 11,800 करोड़ रुपये का ऑर्डर और महाराष्ट्र के कोराडी थर्मल पावर प्रोजेक्ट में महाजेनको को बीटीजी पैकेज सप्लाई के लिए 8,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर शामिल है। बीएचईएल की यह उपलब्धि न केवल उसकी औद्योगिक क्षमता को मजबूत करती है, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा और पावर सेक्टर में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

एमसीयू: सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश 15 तक होंगे, बढ़ाई तिथि

भोपाल। माखनला:ल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एयवं संचार विश्वविद्यालय के एम.पी. नगर स्थित परिसर में कंप्यूटर, मीडिया और योग विषयों के सांध्यकालीन पी.जी. डिप्लोमा में प्रवेश अब 15 सितम्बर तक होंगे। विद्यार्थियों के सुविधा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के लिए अंतिम तिथि में वृद्धि की है। किसी भी विषय में स्नातकोत्तर (पीजी) कर रहे विद्यार्थी अंशकालीन-सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। वर्ष 2025-26 अकादमिक सत्र के लिए अभी प्रवेश जारी है। योग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, फिल्म जर्नलिज्म, ग्रामीण पत्रकारिता, वीडियो प्रोडक्शन, इवेंट मैनेजमेंट, ड्रामा एंड एक्टिंग एवं सायबर सिक्योरिटी में पी.जी. डिप्लोमा कोर्स संचालित किये जा रहे हैं।

विद्यार्थी स्नातकोत्तर, स्नातक, डिप्लोमा व पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में ले सकेंगे प्रवेश

इग्नू ने बढ़ाई प्रवेश के लिए आवेदन की तारीख अब 15 सितंबर तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि (इग्नू) में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। इग्नू प्रबंधन ने जुलाई सत्र 2025 में प्रवेश की अंतिम तिथि में बढ़ोत्तरी की है। अब विद्यार्थी 15 सितंबर तक प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। जानकारी के अनुसार, विद्यार्थी स्नातकोत्तर, स्नातक, डिप्लोमा तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह भी है कि इग्नू के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी अब एक साथ दो डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाणपत्र कोर्स में अध्ययन कर सकते हैं।

पीजी में 78 कोर्स, चार वर्षीय यूजी स्तर पर 26 कोर्स

अतिरिक्त निदेशक डॉ. अंशुमान उपाध्याय ने कहा कि जुलाई सत्र में पीजी स्तर पर 78 कोर्स, चार वर्षीय यूजी स्तर पर 26 कोर्स और 22 विषय में सामान्य यूजी एवं ऑनर्स स्तर पर संचालित किये जा रहे हैं। 66 कोर्स पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर डिप्लोमा कार्यक्रम छात्रों के लिए तैयार किए हैं। इग्नू द्वारा विभिन्न रोजगारोन्मुख एवं कौशल आधारित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, जो युवाओं, कार्यरत पेशेवरों, सुरक्षाबलों तथा समाज के सभी वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं।

शर्मा बने दैनिक वेतन भोगी प्रकोष्ठ अध्यक्ष

भोपाल। राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ के प्रांताध्यक्ष शीलप्रताप सिंह पुंढीर ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की लंबित एवं ज्वंलत समास्याओं को सरकार तक पहुंचाने और उनका गंभीरता पूर्वक निराकरण कराने के लिए दैनिक वेतन भोगी प्रकोष्ठ का गठन किया। इसका राहुल शर्मा को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। शर्मा वर्तमान में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। शर्मा के मनोनयन पर संगठन महामंत्री व्यासमुनी चैबे, जिलाध्यक्ष प्रणव खरे, प्रवक्ता सूर्यकान्त मिश्रा, रविशंकर त्रिपाठी, मयंक श्रीवास्तव, जेएस धुर्वे, प्रवीण सूर्यवंशी, मनीष सहारे, नीरज यादव, कविता भार्गव, ज्योति वर्मा, प्रेमलता रायकवार, वर्षा सोनाने, कृष्णा सेन, कालका प्रसाद, धीरज नरवरिया, प्रेमनारायण, राजेश कुमार, लालाराम रायकवार, दीपाली श्रीवास का आभार जताया है।

मेट्रो एंकर

मामला मुख्यमंत्री की समन्वय समिति में गया

कॉलेज में 11 पदों पर प्रोफेसरों की नियुक्ति का मामला अटका

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के एक्सीलेंस कालेज में 11 पदों पर प्रोफेसरों की नियुक्ति का मामला उलझता नजर आ रहा है। तीन माह बाद भी शासन नियुक्ति को लेकर निर्णय नहीं ले सकता है। जबबकि काफी संख्या में प्रोफेसरों के स्थानांतरण कर दिए हैं। अब जब तक सीएम समन्वय से प्रोफेसरों की नियुक्तियां नहीं हो जाती प्रवेशरत विद्यार्थियों की सुचारू रूप से कक्षाएं संचालित नहीं हो पाएंगी। इससे विद्यार्थियों की कक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। कक्षाओं का समय पूरा होने के बाद के सिर पर सेमेस्टर परीक्षाएं आ जाएंगी। इससे उनका रिजल्ट भी बिगड़ सकता है। जानकारी के अनुसार, अब मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समन्वय समिति में चला गया है।

33 प्रोफेसरों की सूची तैयार कर शासन को भेजी

एक्सीलेंस कालेज में अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, इतिहास, हिंदी साहित्य, कामर्स, गणित और रसायन शास्त्र के 11 रिक्त पदों के विरुद्ध प्रोफेसरों के आवेदन जमा कराए थे। इसमें काफी संख्या में आवेदन जमा हुए। स्कूटनी में 58 प्रोफेसरों का चयन किया और उन्हें 16 मई को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। इसमें करीब 50 प्रोफेसरों ने अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराई। हरेक पद के विरूद्ध तीन तीन प्रोफेसरों का नाम सूची में शामिल किया गया है। इस तरह से 33 प्रोफेसरों की सूची तैयार कर शासन को भेज दी गई। ये फाइल बीस मई को शासन में भेजी गई, जिस पर आज तक निर्णय नहीं हो सका है।

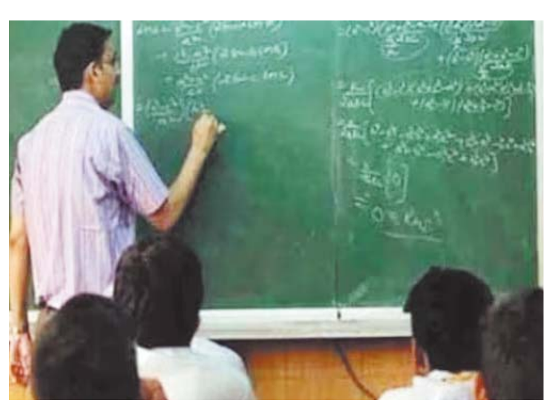

जिले से आए दिन आ रही हैं आपसी टकराव की खबरें

थम नहीं रहा बवाल, अब हो रही अनुशासन का पाठ पढ़ाने की तैयारी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में बवाल के बाद अब कांग्रेस पार्टी ने जिला अध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों के लिए दस दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की तैयारी कर ली है। प्रदेश में पहली बार कांग्रेस इस तरह जिलाध्यक्षों को प्रशिक्षित करेगी। इस कैंप में संगठन, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल बिठाने जैसे पहलुओं पर ज़ोर रहेगा.

प्रशिक्षण शिविर में सिखाए जाएंगे ये गुर- राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ऐसे प्रशिक्षण शिविर में वर्चुअली जुड़ सकते हैं। सबको साथ लेकर चलने का पाठ पढ़ाया जाएगा। कार्यकर्ताओं से व्यवहार, सार्वजनिक आचरण, भाषा शैली बताई जाएगी। मुद्दों की पहचान, जनता से संपर्क, मीडिया मैनेजमेंट के गुर सिखाए जाएंगे। इसके बाद हर तीन महीने में जिला अध्यक्षों के कामकाज का आकलन किया जाएगा

10 दिन तक चलेगा प्रशिक्षण शिविर

इस पूरे मामले पर प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस जीतू पटवारी ने कहा कि जिलाध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति, संगठन के सृजन की व्यवस्था, पंचायत कांग्रेस का गठन यह हमारे काम करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। यह हमारा इंटरनल मामला है। प्रशिक्षण किसी भी विधा को आधुनिक तरह से जीने और सीखने का विषय होता है। इसकी पूरी प्रोग्रामिंग सितंबर के अंत तक 10 दिन के लिए बनी है। इस दौरान, जिलाध्यक्षों और ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जाएगा.

प्रशिक्षण पर बीजेपी ने कसा तंज़

कांग्रेस के ज़िला अध्यक्षों के प्रशिक्षण पर बीजेपी ने करारा तंज़ कसा है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कांग्रेस में तो हालत ऐसी है कि नेता एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने और गिफ्ट बांटने में लगे हैं। लिहाजा, प्रशिक्षण में किसने किसको क्या गिफ्ट दिया यह बताया जाएगा। प्रशिक्षण में कांग्रेस जिला अध्यक्ष को क्या बताया जाएगा.। लोकतंत्र को कांग्रेस के नेता नष्ट कर रहे हैं।

अभी ऐसा है भाजपा और कांग्रेस के काम करने का तरीका

दरअसल, भाजपा का फॉर्मूला सीधा है कि पहले संगठन और नेता बाद में.। भाजपा में कार्यकर्ता ही असली ताक़त माने जाते हैं, नेता सिर्फ चेहरा होता है, उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, वो उसे पूरी मेहनत और निष्ठा से निभाता है। नतीजन पार्टी को संगठन से लेकर चुनाव तक हर जगह फ़ायदा मिलता है, लेकिन कांग्रेस में कहानी उलटी है। यहां संगठन से पहले नेता आते हैं और नेता के आगे कार्यकर्ता हाशिए पर चले जाते हैं। ज़िला हो या ब्लॉक हर जगह पद नेताओं की ज़िद और सिफारिशों से बांटने के आरोप कई बार लग चुके हैं। जब नेताओं को टिकट नहीं मिलता है, तो कार्यकर्ता भी मैदान छोड़कर घर बैठ जाते हैं। बीते विधानसभा और लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा सबूत हैं, जहां गुटबाजी, नाराज़गी और भगदड़ के चलते बड़े पैमाने पर नेता और कार्यकर्ता पार्टी से ही किनारा कर गए थे.

इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इंटरैक्टिव सेशन, दिल्ली में उद्योगपतियों से बोले सीएम

उम्मीदों और अवसरों का विराट क्षितिज हमारे सामने, आप आगे बढ़ें सफलता की गारंटी मेरी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उद्योगपतियों और निवेशकों से कहा है कि हम सब बदलते दौर के साथी हैं। उम्मीदों और अवसरों का विराट क्षितिज हमारे सामने है। अपने सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए निवेश का एक स्वर्णिम अवसर आप सबके सामने है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आग्रह किया कि वे बेहिचक मध्यप्रदेश में पूंजी लगाएं। निवेश आपका, बिजनेस आपका, प्रॉफिट भी आपका और सरकार की सभी सुविधाएं भी आपके लिए ही हैं। सीएम ने यह बात मध्यप्रदेश के धार स्थित पीएम-मित्रा पार्क में इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज के इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित को संबोधित करते हुए कही।

पूंजी निवेश के लिए देश का मॉडल स्टेट बन रहा मप्र

उन्होंने निवेशकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि आप सभी अपने कारोबार में आगे बढ़ें, आपके व्यापार-व्यवसाय की सफलता की गारंटी हमारी सरकार है। मध्यप्रदेश पूंजी निवेश के लिए देश का मॉडल स्टेट बन रहा है। शीघ्र ही धार के पीएम-मित्रा पार्क का भूमि-पूजन होगा। यह पार्क भारत को विश्व की टेक्सटाइल केपिटल बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। हम मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अभियान अंतर्गत मेक इन इंडिया और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे।

धार पीएम-मित्रा पार्क में 15 कंपनियों ने दिखाई रूचि

सीएम ने बताया कि आज दिल्ली में हुए इंटरैक्टिव सेशन में शामिल उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश की रूचि दिखाई है। इससे 15 बड़ी कंपनियों से 12,508 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनमें लगभग 18 हजार से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। निवेश करने वाली कंपनियों में ट्राइडेंट ने 4500 करोड़ रुपए, ए.बी. कॉटस्पिन इंडस्ट्री ने 1300 करोड़ रुपए, अरविंद मिल्स ने 1024 करोड़ रुपए, सनातन टेक्सटाइल्स ने 1000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव दिए। इसके अलावा बीएसएल सदस्यों ने 1000 करोड़ रुपए, बेस्ट कॉर्पोरेशन तिरूपुर ने 832 करोड़ रुपए, शमार्जी यार्न प्रा. लि. ने 800 करोड़ रुपए, आरएसवीएम (एलएनजे भीलवाड़ा) ने 700 करोड़ रुपए, आरआर जैन इंडस्ट्रीज ने 550 करोड़ रुपए, फेबयान टेक्सटाइल प्रालि ने 308 करोड़ रुपए, वंश टेक्नोफैब प्रा. लि. ने 237 करोड़ रुपए, मोहिनी एक्टिव लाइफ प्रालि ने 141 करोड़ रुपए, अनीका टेक्सफैब ने 100 करोड़ रुपए, वेदांत कॉटन प्रा. लि और एनटीपी सॉल्यूशन्स प्रालि ने भी निवेश के प्रति रुचि दिखाई

समीक्षा बैठक में दो टूक बोले सांसद

बिजली का खंभा बिना ननि, पीडब्ल्यूडी व यातायात पुलिस की अनुमति के नहीं लगेगा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल शहर के यातायात सुधार को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद आलोक शर्मा कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह, नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने संयुक्त बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि शहर में जगह-जगह सड़कों पर अवैध बिजली के खंबे, ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। यह यातायात में बाधक बने हैं। इससे रोड एक्सीडेंट होते हैं और अतिक्रमण भी होता है। सांसद शर्मा ने कहा कि अब कोई भी बिजली का खंभा बिना नगर निगम, पीडब्ल्यूडी व यातयात पुलिस की अनुमति के नहीं लगेगा। कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने कहा कि इस संबंध में जल्द ही आदेश जारी करेंगे। जो अधिकारी नियमों का पालन नहीं करेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि खुले में बिजली के तार व ट्रांसफार्मर को जल्द दुरुस्त करे।

पिछले दिनों कई मासूमों की मौत हो चुकी है।- सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि ऐसे एमपीईबी के अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की जाए जो नियमों को तक पर रखकर कहीं भी बिजली का पोल लगा देते हैं।

शहर में जलभराव की समीक्षा

सांसद शर्मा ने शहर में जलभराव क्षेत्रों को लेकर भी समीक्षा की।शहर में अल्पना तिराहा, गणेश मंदिर, बाणगंगा, चिकलोद रोड व आरा मॉल तिराहा पर जल भराव की स्थिति बनती है। उन्होंने नगर निगम, पीडब्ल्यूडी अफसरों को फटकार लगाते हुए कहा कि जब मैं महापौर था तब जनता की सुविधा के लिए कुर्सी लगाकर जलभराव वाली सड़कों पर बैठा था। ऐसा न हो कि मुझे फिर जल भराव वाली सड़कों पर कुर्सी लगाकर बैठना पड़े। कार्ययोजना बनाए मुझे एक हफ्ते में रिपोर्ट बना कर दें।

उन्होंने सभी विभाग को चेताया कि शहर में किसी की दादागिरी नहीं चलेगी। कोई ठेकेदार अपनी मनमर्जी नहीं चलाएगा। हर कहीं बिजली का खंबा नहीं गाड़ेगा। सांसद शर्मा ने कहा कि शहर की पार्किंग को पार्किंग माफिया गैरेज न बनाएं। उन्होंने शहर में बिगड़ती पार्किंग व्यवस्था को लेकर निगम कमिश्नर को समझाइश देते हुए कहा कि जनता को शहर में पार्किंग के लिए परेशान न होना पड़े। राजस्व को जनता की सुविधा से न तोलें, जनता में आक्रोश है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सौजन्य भेंट की।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में 20% की छूट

अगस्त में 2.41 करोड़ से अधिक को मिली रियासत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत, माह अगस्त-2025 में कुल दो लाख 41 हजार 592 उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ छूट का लाभ दिया गया, जिसकी कुल राशि 3 करोड़ 30 लाख रूपए है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर ये छूट दी गई है।

स्मार्ट मीटर के फायदे ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है।
बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती।
ऐप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं।
ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं।
ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है।
ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है।

खाद की परेशानी को लेकर सतना के बीजेपी सांसद गणेश सिंह ने लिखा पत्र

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र के अलग-अलग जिलों में खाद संकट को लेकर तस्वीरें सामने आ रहीं हैं। रीवा में खाद लेने कतार में लगे किसानों पर लाठीचार्ज के वीडियो सामने आए। सतना में मंत्री प्रतिमा बागरी को किसानों का गुस्सा देख रास्ता बदलना पड़ा। खाद संकट को लेकर सतना से बीजेपी सांसद गणेश सिंह ने एक पत्र लिखकर अपने क्षेत्र के किसानों की पीड़ा जाहिर की तो कांग्रेस को सरकार पर हमला करने का मौका मिल गया। सांसद गणेश सिंह ने किसानों की जरूरत की रासायनिक खाद की कमी को देखते हुए कहा है कि संबंधित जिले और प्रदेश के विभागों के अधिकारी इसे गंभीरता से लें। किसानों की लंबी लाइन देखकर मुझे बहुत कष्ट हो रहा है। खाद के वितरण में पारदर्शिता की भी कमी है। निजी क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर किसान खाद खरीदने के लिए मजबूर हैं।

डबल लॉक में उन्हीं किसानों को खाद मिल रही है, जो सोसाइटी के सदस्य हैं। वो भी पर्याप्त नहीं है। लेकिन, बड़ी संख्या में छोटे किसान जिनका जोत का रकबा कम है। वे भटक रहे हैं। किसानों को परेशानी से बचाने के लिए जिला प्रशासन को हमारा और हमारी पार्टी का पूरा सहयोग जैसा चाहें वैसा लें और व्यवस्था में तत्काल सुधार करें।

पटवारी ने शिवराज-मोहन यादव को घेरा

सतना सांसद का पत्र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने लिखा, हम तो कहते ही थे, ये सरकार निकम्मी है। एक बीजेपी विधायक कलेक्टर की, कॉलर पकड़ कर कहता है, यह सरकार निकम्मी है। एक भाजपा सांसद चिट्ठी लिखकर कहता है, यह सरकार निकम्मी है। किसान लाइन में लगकर कहते हैं, यह सरकार निकम्मी है। शिवराज सिंह चौहान, आंखें खोलो। डॉ मोहन यादव, कुछ तो बोलो। यह निकम्मापन कब तक चलेगा? किसान को खाद कब मिलेगा?

शिक्षक दिवस

उल्लेखनीय कार्य के लिए महामहिम करेंगी सम्मानित

मप्र के दो शिक्षक नवाजे जाएंगे टीचर्स अवार्ड से

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के 2 शिक्षकों को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से नवाजा जाएगा। 5 सितम्बर यानि शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दमोह की शीला पटेल और आगरमालवा के भेरूलाल ओसारा को उल्लेखनीय कार्य के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। शीला पटेल दमोह जिले की प्राथमिक शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला देवरान टपरिया में पदस्थ हैं, जबकि भेरूलाल ओसारा आगर-मालवा जिले के माध्यमिक शिक्षक शासकीय ईपीईएस माध्यमिक शाला खेरिया सुसनेर में पदस्थ हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिये सम्मानित होने वाले शिक्षक प्रदेश के अन्य शिक्षकों के लिये भी प्रेरणा का कार्य करेंगे। बता दें कि प्रदेश के समस्त 55 जिलों में से 45 जिलों में 145 शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिये अपना पंजीयन कराया गया था। इसके बाद राज्य स्तरीय चयन समिति ने 6 शिक्षकों की अनुशंसा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को भेजी थी। इस प्रक्रिया के बाद प्रदेश के 2 शिक्षकों का चयन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये हुआ है।

शीला पटेल प्राथमिक शिक्षक

शीला पटेल ने अपनी शाला में बच्चों को खेल-खेल में आनंदमयी शिक्षा दी है। उन्होंने गीत, कविता, कहानी और अभिनय के माध्यम से फाउण्डेशन लिटरेसी मिशन (एफएलएन) का क्रियान्वयन किया है। इसी के साथ उन्होंने अवकाश के दिनों में महिला साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये विशेष कक्षाओं का संचालन किया। श्रीमती शीला पटेल ने अवकाश के दिनों में समर कैम्प एवं विंटर कैम्प का आयोजन किया।

प्राथमिक शिक्षक भेरूलाल ओसारा

प्राथमिक शिक्षक भेरूलाल ओसारा ने अपनी पदस्थ शाला में विषय-वस्तु की गहन समझ के साथ शिक्षण कार्य किया और बच्चों में नैतिकता और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित किया। विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के लिये ईको क्लब और क्लैप क्लब के संयोजन से ठोस कार्य किया। बच्चों को स्वच्छता, जल संरक्षण, पौधरोपण, प्लास्टिक उन्मूलन और हरित जीवन-शैली के बारे में नवाचार करते हुए शिक्षा दी। शिक्षक

'विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं की सार्वजनिक उपलब्धता सुनिश्चित होगी'

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम का हुआ किया गया आयोजन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित होटल पलाश रेसीडेंसी के सभाकक्ष में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में सहभागिता की।?इस अवसर पर मंत्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों की परीक्षाओं के मूल्यांकन की पारदर्शिता के लिए, डिजिटल मूल्यांकन की कार्ययोजना बना रहे हैं। इससे विद्यार्थियों के मूल्यांकन की प्रक्रिया पारदर्शी और सटीक हो सकेगी। साथ ही विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं की सार्वजनिक उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। मंत्री परमार ने कहा कि भारतीय समाज में विद्यमान परंपरागत ज्ञान को पुनः शोध एवं अनुसंधान के साथ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सापेक्ष युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में दस्तावेजीकरण से समृद्ध करने की आवश्यकता हैं। हर क्षेत्र हर विषय में, भारत विश्वमंच पर अग्रणी और सर्वश्रेष्ठ था। हमारे पूर्वजों के पास समृद्ध ज्ञान एवं तकनीक थी। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़े विविध उदाहरण प्रस्तुत कर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समृद्ध भारतीय ज्ञान पर विस्तृत प्रकाश डाला। मंत्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों के ज्ञान पर गर्व का भाव जागृत कर, वर्ष 2047 के विकसित भारत की संकल्पना सिद्धि में सहभागिता करने की आवश्यकता है। पुरातन काल से, भारतीय शिक्षा पद्धति एवं न्याय पद्धति विश्व में सर्वश्रेष्ठ रही है। मंत्री परमार ने विद्यार्थियों के मन की बात सुनी और उनके सुझावों पर नियमानुरूप क्रियान्वयन के लिए उन्हें आश्वस्त भी किया।

विरोध आखिर कहां तक

देश ने आरक्षण की एक और लड़ाई देखी, इस बार मुंबई में। मराठा आरक्षण को लेकर पांच दिनों तक भारत की आर्थिक राजधानी में हंगामा मचा रहा। प्रदर्शनकारी आखिरकार माने, लेकिन अपनी कई मांगें मनवा कर। प्रदर्शन खत्म हो चुका है, पर इससे जुड़े कुछ सवाल अब भी बाकी हैं - अपनी मांग को लेकर कोई आंदोलन किस हद तक जा सकता है और क्या विरोध-प्रदर्शन का अधिकार छीना जा सकता है?

अदालत की सख्ती– बॉम्बे हाई कोर्ट ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल से जवाब मांगा है कि आंदोलन के दौरान सरकारी संपत्ति को जो बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा, उसका जिम्मेदार कौन है? जरांगे की तरफ से बताया गया कि आंदोलन शांतिपूर्ण था, किसी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि यह माना गया कि आम जनता को असुविधा हुई। गौरतलब है कि यह आंदोलन खत्म भी तभी हुआ, जब हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई - भले इसके लिए सरकार ने जरांगे की मांगें मानीं।

आंदोलन से परेशानी– आम लोगों को हुई असुविधा पर हाई कोर्ट की नाराजगी बिल्कुल सही है। अपनी बात मनवाने के लिए किसी शहर की रफ्तार को रोक देना उचित नहीं माना जा सकता। दुर्भाग्य से दक्षिण मुंबई को जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ी - कई लोकल ट्रेन कैंसल हुईं और कभी न थमने वाली मुंबई का कुछ हिस्सा आरक्षण आंदोलन में जकड़ गया।

प्रशासन की जिम्मेदारी– लेकिन यहां जितनी जिम्मेदारी आंदोलनकारियों, उनके नेता जरांगे की है, उतनी ही एडमिनिस्ट्रेशन की भी। मुंबई में भीड़ का उमड़ना कोई नई बात नहीं है। गणेश पूजनोत्सव के दौरान ही देश के तमाम हिस्सों से लोग गणपति बप्पा के दर्शन को मुंबई पहुंचते हैं। तो क्या आंदोलन की जानकारी होने के बाद हालात को संभालने के लिए उचित इंतजाम किए गए थे? अगर परमिशन पांच हजार की थी, तो इससे कई गुना ज्यादा भीड़ कैसे महानगर में दाखिल हो गई?

संतुलन जरूरी– विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा है। सरकार से असहमति जताना और जिम्मेदारों तक अपनी बात पहुंचाना हर नागरिक का हक है। अगर किसी समुदाय-वर्ग को लगता है कि सरकार उसके हितों की अनदेखी कर रही है, तो उसे विरोध जताने से नहीं रोका जा सकता। लेकिन, मामला है हद का - कि उस विरोध की सीमा क्या होगी? जिस तरह विरोध का अधिकार नहीं छीना जा सकता, उसी तरह यह भी नहीं हो सकता कि एक का प्रदर्शन दूसरे के लिए आफत बन जाए। महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जरूरत है कि इस सवाल को भी सुलझा लिया जाए, वरना फिर कोई शहर किसी आंदोलन के बोझ से दबा होगा।

सुविचार

मेरे लिए उपन्यास का लिखना वैसा ही रहा है जैसे पीड़ा के क्षणों में पूरी आस्था के प्रार्थना करना।

– धर्मवीर भारती

निशाना

रहना है विवादित !

– कृष्णेन्द्र राय

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नज़दीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखती ये दहाड़ ।।

आज का इतिहास

- 1189 रिचर्ड द लायनहार्ट को इंग्लैंड के किंग इन वेस्टमिंस्टर का ताज पहनाया गया।
- 1651 ओलिवर क्रॉमवेल के तहत अंग्रेजी सांसद बलों ने तीसरे अंग्रेजी नागरिक युद्ध की अंतिम लड़ाई वॉर्सेस्टर की लड़ाई जीत ली।
- 1651 ओलिवर क्रॉमवेल के तहत अंग्रेजी सांसद बलों ने वॉर्सेस्टर की बीटल, तीसरे अंग्रेजी नागरिक युद्ध की अंतिम लड़ाई जीती।
- 1709 स्विस के पहला मेजर समूह जर्मन उपनिवेशों तक पहुंचा।
- 1731 विलियम केएच फ्रिसो को फ्रिसलैंड का वायसराय बनाया गया।
- 1783 अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पेरिस की संधि के साथ क्रांतिकारी युद्ध समाप्त हो गया।
- 1783 ग्रेट ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पेरिस की संधि पर हस्ताक्षर किए, औपचारिक रूप से अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध को समाप्त किया।
- 1791 फ्रांस की संसद ने देश का संविधान पारित किया।
- 1812 इंग्लैंड के लंदन शहर में डब्बों में खाना भरने वाला संसार का पहला कारखाना खुला।

इतिहास खुद को दोहरा रहा है... क्या भारत-अमेरिका के संबंध सबसे मुश्किल दौर में पहुंच गए हैं?

■ सीमा सिरोही

चीन के तियानजिन में पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने अमेरिका को बड़ा एक संदेश दिया। क्या यह संदेश सही लोगों तक पहुंचा? ट्रंप के भारत के खिलाफ ट्रेड वॉर ने तियानजिन में हुई मुलाकात को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। भारत-अमेरिका के रिश्ते खराब होते जा रहे हैं और उन्हें सुधारने के लिए कोई प्रयास नहीं हो रहा है, यह स्थिति 1971 जैसी है, जब निक्सन ने पाकिस्तान के समर्थन में भारत को युद्ध की धमकी देने के लिए सातवां बेड़ा भेजा था, उस समय अमेरिका ने पूर्वी पाकिस्तान में हो रहे नरसंहार को अनदेखा कर दिया था।

आज, टैरिफ और प्रतिबंधों के जरिए भारत पर दबाव डाला जा रहा है, ऐसा लग रहा है कि पीटर नवारो हेनरी किसिंजर की तरह ही काम कर रहे हैं और ट्रंप, रिचर्ड निक्सन की तरह भारत को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। भारत को डर है कि अमेरिका, चीन और रूस के बीच बन रहे नए समीकरण में वह अलग-थलग पड़ सकता है। भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में आई दरार अब मामूली नहीं है। यह एक ऐसे भरोसे का टूटना है जिसे ठीक होने में सालों लग सकते हैं। यह 1971 के उस दौर जैसा है जब निक्सन ने पाकिस्तान का साथ देते हुए भारत को धमकाने के लिए अपनी नौसेना भेजी थी। उस वक्त अमेरिका ने पूर्वी पाकिस्तान में हो रहे अत्याचारों पर ध्यान नहीं दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि अमेरिका पाकिस्तान का पक्ष लेने लगा और भारत में अमेरिका के प्रति अविश्वास की भावना पैदा हो गई।

उस समय बंदूक की नोक पर धमकाया...: आज हालात कुछ वैसे ही हैं। उस समय बंदूक की नोक पर धमकाया जाता था, आज टैरिफ और प्रतिबंधों से दबाव बनाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि पीटर नवारो भी हेनरी किसिंजर की तरह ही भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं। ट्रंप भी निक्सन की तरह भारत को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। निक्सन ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति याह्या खान को खुश करने और चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए पाकिस्तान का साथ दिया था। उसी तरह, ट्रंप भी नोबेल शांति पुरस्कार पाने के लिए दुनिया में एक नया समीकरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने गुपचुप तरीके से...: भारत ने किसिंजर की चालों का सामना करते हुए अमेरिका और चीन को सोवियत संघ के खिलाफ एकजुट होने से रोका था। पाकिस्तान ने गुपचुप तरीके से अमेरिका की मदद की और बदले में परमाणु हथियार बनाने और आतंकवादियों को पालने में मदद मिली। उस समय चीन और पाकिस्तान की स्थिति मजबूत थी, और आज भी वैसी ही है। भारत को उस समय अलग-थलग कर दिया गया था। उस समय भारतवंशियों की संख्या भी कम थी और भारत और अमेरिका के बीच ज्यादा संबंध नहीं थे। भारत की अर्थव्यवस्था भी बंद थी। उस समय पाकिस्तान अमेरिका के खेमे में था, जबकि भारत ने सोवियत संघ के साथ दोस्ती की संधि की थी ताकि वह अकेला न पड़ जाए।

अमेरिका के प्रति अविश्वास की भावना: उस समय भारत और अमेरिका के बीच ज्यादा संबंध नहीं थे, इसलिए

नुकसान को ठीक करना आसान था। दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बने रहे।अमेरिका ने कश्मीर के मामले में दखल नहीं दिया और भारत की सीमाओं का सम्मान किया। लेकिन इस बार स्थिति अलग है, पिछले 25 सालों में भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती का एक मजबूत ढांचा बना है। इसे तोड़ना आसान नहीं होगा। जितना ऊंचा उठते हैं, उतना ही गहरा गिरते हैं। इस बार रिश्तों में आई दरार का असर लंबे समय तक रहेगा। सोशल मीडिया पर अमेरिका के खिलाफ गुस्सा देखने को मिल रहा है। भारतीय प्रतिष्ठान में भी अमेरिका के प्रति अविश्वास की भावना पैदा हो सकती है, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग कम हो सकता है।

...तो भारत और भी अलग-थलग पड़ सकता है: भारत यह दिखाएगा कि उसके पास दूसरे विकल्प भी हैं। अभी तक उसने अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की जरूरत को नकारा नहीं है।दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने भी व्यक्तिगत रूप से मोदी की आलोचना नहीं की है, जिसे कुछ लोग उम्मीद की किरण के रूप में देख रहे हैं। लेकिन दोनों देशों के बीच बातचीत के बिना, यह सिर्फ एक उम्मीद ही रह जाएगी। इस स्थिति में सिर्फ शी जिनपिंग ही खुश हैं। ट्रंप चीन के साथ समझौता करना चाहते हैं। रूस भी भारत से ज्यादा चीन के करीब है। अगर यूक्रेन में युद्ध को खत्म करने के अमेरिका के प्रयास सफल हो जाते हैं, तो भारत और भी अलग-थलग पड़ सकता है।

भारत को रहना होगा सतर्क: एक कमजोर रूस, एक मजबूत चीन और एक अस्थिर अमेरिका भारत के लिए अच्छा नहीं है, भले ही तियानजिन में कितनी भी अच्छी बातें की जाएं।शीत युद्ध के दौरान, किसी भी महाशक्ति ने भारतीय क्षेत्र पर दावा नहीं किया था, लेकिन अब चीन ऐसा कर रहा है. चीन ने भारत के पड़ोसी देशों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति बना ली है। नवारो और उनके साथी भारत के साथ संबंधों को खराब करके चीन का काम आसान कर रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस भी इस मामले में चुप है। भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने भी इस बारे में कुछ नहीं कहा है। भारतवंशियों और भारत में निवेश करने वाले कारोबारियों ने भी चुप्पी साध रखी है।

भारत और अमेरिका के रिश्ते चौराहे पर: अमेरिका को भी यह समझना होगा कि भारत एक महत्वपूर्ण देश है और उसके साथ अच्छे संबंध बनाए रखना अमेरिका के हित में है। अमेरिका को भारत के साथ विश्वास का रिश्ता बनाना होगा और उसे सम्मान देना होगा। तभी दोनों देश मिलकर दुनिया में शांति और समृद्धि ला सकते हैं। आज भारत और अमेरिका के रिश्ते एक चौराहे पर खड़े हैं। दोनों देशों को यह तय करना है कि वे किस रास्ते पर चलना चाहते हैं।

अपनी ताकत पर भरोसा रखना होगा: भारत को अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखना होगा। उसे अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के साथ-साथ चीन और रूस के साथ भी संबंध बनाए रखने होंगे। भारत को किसी भी देश का पिछलग्गू नहीं बनना चाहिए और अपने हितों के अनुसार फैसले लेने चाहिए। भारत को अपनी ताकत पर भरोसा रखना होगा। उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा और अपनी सेना को आधुनिक बनाना होगा।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस आज

राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस के मायने और जैव विविधता की रक्षा का संकल्प

■ डॉ. निवेदिता शर्मा

हर साल 4 सितम्बर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस हमारे सामने उस जिम्मेदारी की याद दिलाने का अवसर है, जो हमने प्रकृति और उसके जीव-जंतुओं के प्रति निभानी है। यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख भर नहीं, एक चेतावनी भी है कि जैवविविधता के बिना जीवन संभव नहीं। धरती पर मौजूद असंख्य प्रजातियों में से प्रत्येक का अस्तित्व पारिस्थितिक संतुलन के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना मनुष्य का। किंतु विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संतुलन को गड़बड़ा दिया है। तेजी से बढ़ती आबादी, जंगलों का कटाव, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने न केवल वन्यजीवों के आवास छीन लिए हैं, बल्कि उन्हें विलुप्ति के कगार पर पहुँचा दिया है। राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस हमें यह समझाने के लिए है कि यह संकट केवल जानवरों का नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का भी है।

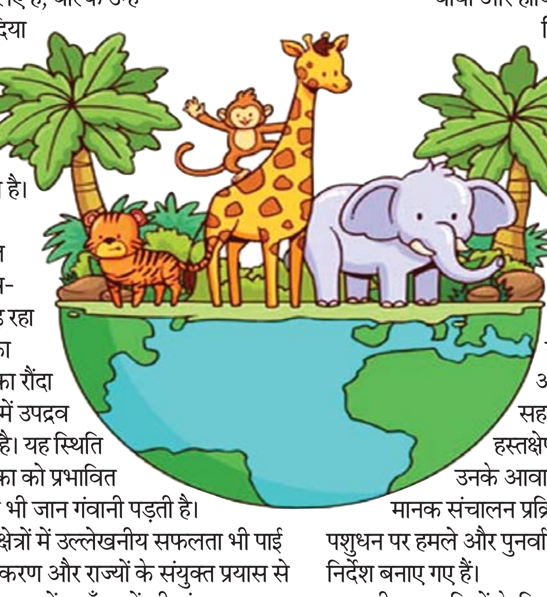

मानवीय गतिविधियों ने वन्यजीवों के आवास सीमित कर दिए हैं। नतीजतन, मानव-वन्यजीव संघर्ष दिनोंदिन बढ़ रहा है। गांवों में बाघ और तेंदुए का आना, हाथियों द्वारा फसलों का रौंदा जाना या बंदरों द्वारा बस्तियों में उपद्रव करना अब आम बात हो गई है। यह स्थिति न केवल लोगों की आजीविका को प्रभावित करती है, बल्कि जानवरों को भी जान गंवानी पड़ती है। इसके बावजूद भारत ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता भी पाई है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और राज्यों के संयुक्त प्रयास से बाघों की आबादी बढ़ी है। 2018 में जहाँ बाघों की संख्या 2967 थी, वहीं 2022 में यह बढ़कर 3682 हो गई। यह केवल आँकड़ा नहीं, बल्कि यह संदेश है कि संरक्षण की कोशिशें रंग ला सकती हैं। आज देश में 58 बाघ अभयारण्य हैं, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग ढाई प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं।

इसी तरह गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या भी बढ़ी है। 2020 में उनकी संख्या 674 थी, जबकि 2025 के अनुमान के अनुसार यह बढ़कर 891 हो गई। गिर का जंगल और बरदा जैसे नए आवास शेरों को सुरक्षित जीवन देने में सहायक बने हैं। हाथियों के मामले में भी देश ने स्थिरता बनाए रखी है। 2017 में उनकी संख्या 29,964 आंकी गई, जो 2012 के अनुमान के लगभग बराबर है। आज 14 राज्यों में 33 हाथी अभयारण्य हैं। इन उपलब्धियों के पीछे लंबे समय से चल रहे प्रयास, योजनाएँ और कानून हैं। भारत ने वन्यजीव संरक्षण के लिए कानूनी और नीतिगत ढाँचा खड़ा किया है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 इसका आधार है, जिसके तहत राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, संरक्षण रिजर्व और सामुदायिक रिजर्व का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया। मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौती से निपटने के लिए फरवरी 2021 में केंद्र ने परामर्श जारी किया और जून 2022 में राज्यों को दिशानिर्देश दिए। इनमें त्वरित प्रतिक्रिया दल की स्थापना, संघर्ष क्षेत्रों की पहचान, मानक संचालन प्रक्रिया का पालन और प्रभावित परिवारों को चौबीस घंटे के भीतर राहत राशि देने जैसी व्यवस्थाएँ शामिल हैं। दिसंबर 2023 में सरकार ने राहत राशि को पाँच लाख से बढ़ाकर दस लाख रुपये कर दिया। यह निर्णय बताता है कि अब सरकार इस संघर्ष की गंभीरता को स्वीकार कर रही है और समाधान के लिए ठोस कदम उठा रही है।

बाघों और हाथियों जैसे प्रमुख प्रजातियों के लिए विशेष योजनाएँ चलाई जा रही हैं। प्रोजेक्ट टाइगर 1973 में और प्रोजेक्ट एलीफेंट 1992 में शुरू हुए। आज यह दोनों कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाते हैं। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने मानव-बाघ और तेंदुआ संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए तीन स्तरों पर रणनीति अपनाई है। पहला, सामग्री और संभार तंत्र सहायता, जिसके तहत बाघ अभयारण्यों को वित्तीय और तकनीकी सहयोग दिया जाता है। दूसरा, आवास हस्तक्षेपों पर नियंत्रण, ताकि बाघों की संख्या उनके आवास की क्षमता से अधिक न हो। तीसरा, मानक संचालन प्रक्रियाएँ, जिनमें बाघों के फैलाव, पशुधन पर हमले और पुनर्वास जैसी स्थितियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए गए हैं।

इसी तरह हाथियों के लिए भी हाथी रिजर्व अधिसूचित किए गए हैं और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हुई हैं। राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस हमें यही सिखाता है कि वन्यजीवों का अस्तित्व हमारे अस्तित्व से गहराई से जुड़ा है। बाघ, शेर और हाथी केवल जंगल की शोभा नहीं, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन की कुंजी हैं। भारत ने यह दिखा दिया है कि संरक्षण संभव है। बाघों और शेरों की बढ़ती संख्या इसका उदाहरण है। लेकिन हमें रुकना नहीं है। असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस जैवविविधता का आनंद ले सकें। जंगल बचेंगे तो जीवन बचेगा, और जीवन बचेगा तो विकास सार्थक होगा। यही राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस का सच्चा संदेश है।

(लेखिका जैव विविधता एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान की विशेषज्ञ हैं)

उम्मीदों की चिप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

■ ललित गर्ग

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा।

फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे विक्रम नाम दिया गया है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं।

32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है।

सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

कमिश्नर ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

गांव के नक्शे, चकबंदी, खसरे सहित सभी राजस्व रिकार्ड को दुरुस्त रखें अधिकारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए की वह गांव के नक्शे सहित चकबंदी के नक्शे, राजस्व अभिलेख, पुराने नक्शे खसरे के रिकॉर्ड एवं राजस्व रिकार्ड दुरुस्त रखें। आरसीएमएस पोर्टल में राजस्व निराकरण की स्थिति अपडेट रखें। जिससे नर्मदापुरम जिले की स्थिति में आवश्यक सुधार परिलक्षित हो। कमिश्नर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वह अपने पीठासीन अधिकारियों के कोर्ट का रिव्यू करें। सभी दांडिक एवं राजस्व प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें।

पुराने एवं नए जनधन खातों में ई-केवाईसी प्राथमिकता से कराएं

उन्होंने इस बात पर सख्त नाराजगी व्यक्त किया कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में पीठासीन अधिकारियों द्वारा रुचि नहीं ली जा रही है। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों के राजस्व प्रकरण के निराकरण की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया और हिदायत दी, कि सभी राजस्व अधिकारी प्राथमिकता से राजस्व प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार कोर्ट में प्रकरणों का निराकरण शत प्रतिशत हो। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की सभी एसडीएम अपने पीठासीन अधिकारी के कार्यों में कसावट लाए और समय-समय पर उनके कार्यों की समीक्षा करते रहे। उन्होंने निर्देश दिए की जो राजस्व अधिकारी बेहतर कार्य करके नहीं दिखाएगा उसके विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने नजूल लीज प्रकरणों में नवीनीकरण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही कहां की जिन नजूल पट्टों का अवसान हो चुका है सभी नजूल अधिकारी उसे संज्ञान में लेकर स्व प्रेरणा से ऐसे पट्टों का नवीनीकरण करें। संबंधित से नवीनीकरण का आवेदन भी ले। कमिश्नर ने राजस्व अधिकारियों के राजस्व वसूली के कार्य की सराहना की। बताया गया कि गत वर्ष 8 करोड़ की राजस्व वसूली की गई थी। इस वर्ष अब तक 4 करोड़ 57 लाख रुपए की राजस्व वसूली की जा चुकी है। राजस्व वसूली में नर्मदापुरम जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। कमिश्नर ने निर्देश दिए की भू स्वामित्व एवं भू अर्जन, डायवर्सन, भूमि आवंटन, स्थापना, वन व्यवस्थापन आदि प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। बैठक में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडे सहित सभी अनुविभाग के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, समस्त नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार, सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नपा अधिकारी सहित संबंधित विभाग के विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

पशुधन एवं फसल क्षति में दी जाए राहत राशि

कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की बारिश के मौसम को देखते हुए फसल क्षति एवं पशुधन क्षति की प्रबल संभावना बनी रहती है। यदि कहीं से भी पशु धन क्षति एवं फसल क्षति की जानकारी प्राप्त होती है तो हितग्राही को प्राथमिकता से राहत राशि देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जनहानि होने पर भी राहत राशि आरबीसी 6/4 के तहत प्रदान की जाए। उन्होंने निराश्रित पशुओं के प्रबंधन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में अनिवार्य रूप से शिफ्ट किया जाए। बताया गया कि सड़कों पर निराश्रित पशु छोड़ने वाले पशु मालिकों पर एक लाख रुपए की पेनल्टी लगाई गई है। साथ ही पशुओं को अस्थाई गौशालाओं में शिफ्ट किया गया है।

जनधन खातों की समीक्षा

कमिश्नर ने जनधन खातों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के हितग्राहियों के जो पुराने खाते एवं नवीन हितग्राहियों के खाते खोले गए हैं। उन सब नए एवं पुराने खातों में ई केवाईसी प्राथमिकता से कराई जाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को निर्बाध रूप से मिलता रहे।

तेंदुए की हलचल से स्कूल में 10 दिन की छुट्टी

नर्मदापुरम/इटारसी। जिले के इटारसी स्थित पथरोटा में स्थित स्कूल में 10 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। इटारसी पथरोटा के पावर ग्रिड परिसर में मादा तेंदुए की हलचल से लोग दहशत में हैं। लोगों का कहना है कि शावक की मौत के कारण मादा तेंदुआ आक्रामक दिख रही है। वह उन पर हमला कर सकती है। लोगों की इसी दहशत के चलते पावर ग्रिड पथरोटा परिसर में स्थित श्री टैगोर विद्या मंदिर स्कूल प्रबंधन ने 4 सितंबर से 13 सितंबर तक अवकाश घोषित कर दिया है। प्रचार्य ने बीना काकड़े बताया कि यदि इस बीच मप्र वन विभाग तेंदुए का रेस्क्यू कर लेता है तो स्कूल को नियमित संचालित किया जाएगा। अवकाश के समय पढ़ाई का नुकसान न हो इसके लिए सभी क्लास के विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई करवाई जाएगी।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर दिए दिशा-निर्देश

गंजबसौदा। नगर में पहली बार मुख्यमंत्री मोहन यादव का नगर आगमन आगामी 10 सितंबर को हो रहा है। वह यहां कई कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे । मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभा और आयोजन स्थल के चयन के लिए विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने नवीन कृषि उपज मंडी स्थल का निरीक्षण किया है। बारिश का मौसम देखते हुए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सभा स्थल का चयन किया जाना है। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कलेक्टर अंशुल गुप्ता से भी मोबाइल पर चर्चा की है। बताया गया है कि गुरुवार को कलेक्टर बासौदा पहुंचेंगे और विधायक और जनप्रतिनिधियों के साथ सभा और आयोजन स्थल का जायजा लेंगे। मालूम हो कि नगर में मुख्यमंत्री के प्रथम आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। सीएम के आगमन को लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गई हैं। मंडी स्थल पर निरीक्षण के समय एसडीएम, तहसीलदार, नगर मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र रघुवंशी विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति की आदर्श परम्परा-तप साधना

जैन मंदिर में संगीत और भजनों के साथ मनाया दसलक्षण पर्व

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

श्री तारण तरण जैन चैत्यालय में प्रतिदिन मंदिर विधि में भक्त बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय संगीत और भजनों के साथ दसलक्षण पर्व मना रहे हैं। इस अवसर पर उत्तम तप धर्म पर सभी धर्मप्रेमी जनों को सम्बोधित करते हुये बाल ब्रम्ह बसंतमहाराज अपने प्रवचनों में बताया कि भारतीय संतों का आदर्श उनका तपमय जीवन है। प्राचीनकाल से ही तपस्या के द्वारा महापुरुषों ने भारत की आध्यात्मिक परम्परा को गौरवान्वित किया है।

इच्छा निरोधः तप अर्थात इच्छाओं का निरोध करना तप है। जो पाँच इन्द्रिय और विषयों की आशा से रहित हैं, ज्ञान, ध्यान और तप में लीन है, वे तपस्वी ही प्रशंसनीय है। समस्त रागादि विकारी भावों का त्याग करके अपने आत्मस्वरूप में लीन होना तप है अथवा आत्म लीनता द्वारा विकारों पर विजय करना तप हैं। भौतिकता के प्रवाह में बहाव होने के दुष्परिणाम आज हम देख रहे हैं,पाश्चात्य संस्कृति के लोग भौतिक संसाधनों के बाह्य सुखों से ऊबकर भारत के आध्यात्म से अपने अंतर की शांति को प्राप्त करना चाहते हैं। आश्चर्य हैं कि- अध्यात्म के रंग में डूबे हुए भारत के लोग अपने आध्यात्मिक वैभव को भूलकर पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होकर दिनोदिन प्रपंचों में उलझते जा रहे हैं। इस अवसर पर तारण तरण दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सेठ संजय जैन ठेकेदार ने कहा कि दसलक्षण पर्व यह एक ऐसा पर्व है, जो आत्मा की शुद्धि पर जोर देता है। दसलक्षण पर्व इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह पर्व किसी आडंबर में विश्वास नहीं करता है, बल्कि व्यक्ति को मन व वचन की शुद्धि करने पर जोर देता है। इस मौके पर भगवान पूजन कर्चन करते बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

बीएससी बॉटनी अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शासकीय लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के बीएसीसी बॉटनी अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम विवि प्रबंधन द्वारा बुधवार को घोषित कर दिया। बीएसीसी बॉटनी अंतिम वर्ष के परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं गुम हो जाने के कारण उनका परीक्षा परिणाम रोक दिया गया था। विवि द्वारा जारी की गई अंकसूची में विद हेल्ड लिखा आ रहा था और इस कारण छात्र-छात्राएं अन्य कक्षाओं में प्रवेश नहीं ले पा रहे थे। उनकी समस्या के समाधान के लिए अभाविप द्वारा कॉलेज में प्रदर्शन और तालाबंदी भी की थी। वहीं विधायक उमाकांत शर्मा ने भी विवि प्रबंधन वे चर्चा कर परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित करवाने की मांग की थी। अभाविप की तालाबंदी के दौरान अतिरिक्त संचालक ने एक सप्ताह में परीक्षा परिणाम घोषित करने का आश्वासन कार्यकर्ताओं को दिया था। इसके बाद प्राचार्य ने समस्या से प्रबंधन को अवगत कराया था। लगातार प्रदर्शन के बाद अंतिम वर्ष के परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम पूरी तरह घोषित कर दिया है।

आरोपी को फांसी देने की मांग को लेकर निकाली रैली

बालिका के साथ जघन्य कृत्य करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विगत दिनों एक ऑटो वाले ने पांच वर्षीय मासूम के साथ जघन्य कृत्य की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद आक्रोशित नागरिकों ने काली पट्टी बांधकर शहर की सड़कों से रैली निकाली ओर आरोपी को फांसी की सजा की मांग करते हुए तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। वहीं पुलिस ने बताया कि जघन्य कृत्य करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पांच वर्षीय बालिका को घर से स्कूल जाने व वापसी के लिए घर बालों ने ऑटो लगवा रखा था ऑटो चालक कुछ दिन से मासूम के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहा था। जिससे मासूम सहमी सहमी डरी हुई दिखाई दी और उसकी तबियत ठीक समझ नहीं आई तब माता पिता ने उसे डॉक्टर को दिखाया डॉक्टर ने पूरे मामले में पुलिस कार्यवाही की सलाह दी। आवेदिका ने थाना शहर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पांच वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ ऑटो चालक जो बच्ची को स्कूल लाने-ले जाने का कार्य करता था द्वारा गलत काम किया गया। घटना पर थाना शहर में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना को गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं अनुविभागीय अधिकारी शिखा भलावी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बासौदा शहर निरीक्षक संजय वेदिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए उपलब्ध साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपराध स्वीकार किया एवं घटना में प्रयुक्त ऑटो जप्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

किसान संघ और अफसरों की बैठक में खाद संकट पर की चर्चा

नर्मदापुरम।। दोपहर मेट्रो

भारतीय किसान संघ जिला नर्मदापुरम् की विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक अपर कलेक्टर देवेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से 17 बिंदुओं पर चर्चा की गई। भारतीय किसान संघ के संभागीय प्रचार प्रसार प्रमुख उदयकुमार पाण्डेय नें बताया कि वर्तमान में किसान संबंधी समस्याएं व्याप्त है, खाद का संकट व्याप्त है और मूंग उपार्जन का भुगतान नहीं हुआ है। इस संबंध में अधिकारियों से चर्चा की गयी। अधिकारियों नें समस्याओं को सुनकर तत्काल निराकरण करनें का आश्वासन किसान संघ को दिया।

किसानों ने जो मांग रखीं उनमे समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी का भुगतान शीघ्र करने , रासायनिक खाद डीएपी यूरिया का पर्याप्त मात्रा में वितरण करने , जिले की समस्त शासकीय समितियों के माध्यम से ही खाद का नगद वितरण करने, वर्तमान में खरीफ फसल धान को ध्यान यें रखकर मध्यप्रदेश सरकार की घोषणानुसार पर्याप्त 10 घंटे बिजली आपूर्ति करने, जले हुए ट्रांसफार्मर शीघ्र बदलने एवं ओव्हरलोड ट्रांसफार्मर की भार क्षमता बढ़ने की मांगें शामिल हैं। इसके आलावा ग्रामीण क्षेत्रों में फीडर का कार्य किया जा रहा है। जिसमें गुणवत्ताहीन केबल जल रही है। अनेक जगह कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, जिसका सुधार कार्य किया जाए। जिले के जिन विद्युत सबस्टेशनों पर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर प्रस्तावित या स्वीकृत है, शीघ्र ही निर्माण कार्य हो । सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त सोलर पंप विद्युत अस्थाई कनेक्शन पर दिये जा रहे है, जिन किसानों नें नलकूप कराए हैं, उन्हें भी इस योजना का लाभ दिया जाए। कृषि विभाग द्वारा अनुदान प्राप्त बीज चना एवं मूंग की अनुदान राशि शीघ्र ही डाली जाए। सोयाबीन एवं मक्का फसल की शीघ्र गिरदावरी कराकर पंजीयन कार्य कराया जाए। वर्तमान में जिले के कुछ ग्रामों में अल्प बीमा राशि प्राप्त हुई है, पुनः जांच कराकर किसानों की फसल क्षति अनुसार बीमा राशि दिलाने की अपील की गई है। बैठक में अपर कलेक्टर, डीडीए, सहकारिता विभाग, सहकारी बैंक, पशुपालन, बिजली विभाग, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, सिंचाई विभाग,फसल बीमा कंपनी भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष ओमकार राजपूत,शंकरसिंह पटैल, उदयकुमार पाण्डेय, रजत दुबे, शिवमोहन सिंह, मंगलसिंह राजपूत, गुलाब सिंह लौवंशी, ग्यारसा पटेल, राजकुमार राजपूत,राजेश दीवान, कन्हैया राजपूत, गोपाल मीणा सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

महिला सशक्तिकरणः ज्योति महिला आजीविका संकुल बना आत्मनिर्भर

टोल संचालन में सफल महिलाएं, एक साल के लिए फिर मिली जिम्मेदारी

आगर मालवा। दोपहर मेट्रो

आगर जिले के चाचाखेड़ी टोल प्लाजा का संचालन अगले साल सितम्बर 2026 तक महिला समूह द्वारा किया जाएगा। गत 2 वर्ष के सफल संचालन के बाद यह निर्णय लिया गया है द्य सरकार द्वारा महिलाओं के समूह को जिस विश्वास के साथ टोल संचालन का दायित्व सौपा था, महिलाओं ने उस पर खरा उतरकर अपनी प्रबंधन क्षमता को साबित कर दिया है।

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम ने टोल संचालन के अनुबंध को एक साल और बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि शाजापुर नलखेड़ा मार्ग पर संचालित चाचाखेड़ी टोल प्लाजा का संचालन ज्योति महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन के माध्यम से किया जा रहा है । विगत 2 वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अनुबंध के माध्यम से संचालन का दायित्व समूह महिलाओं को सौंपा गया था।

इस टोल प्लाजा के माध्यम से अनुबंध दो साल में एक करोड़ 46 लाख रु से अधिक का संग्रहण किया गया। इसमें से 30 प्रतिशत का कमीशन महिला संगठन को प्राप्त हो रहा है। संचालन का दायित्व संभालने वाली 15 महिलाओं को 10 हजार प्रति माह की आय हो रही है। सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित इस टोल के संचालन का दायित्व आजीविका मिशन की महिला समूह को देने का निर्णय कैबिनेट बैठक में लिया गया था। महिलाओं के लिए असंभव से समझे जाने वाले इस कार्य को प्रशासन की सक्रियता से अमली जामा पहनाया गया। महिलाओं ने अपने आत्मविश्वास के साथ शुरुआती परेशानियों को दरकिनार करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया है। इस गतिविधि से न सिर्फ सरकार का विश्वास समूह पर मजबूत हुआ है, बल्कि महिलाओं की आत्मविश्वास क्षमता में भी वृद्धि हुई है।

इस टोल प्लाजा का सतत भ्रमण जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नंदा भलावे कुशरे ने कर महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने में भूमिका निभाई है। जिला पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं की सुरक्षा हेतु प्रारंभिक स्तर पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी तय कर सुरक्षा की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की है। प्रदेश का यह नवाचार उन महिलाओं के लिए उदाहरण है, जो आगे बढ़ने की ललक रखती है। साथ ही समाज के लिए यह एक उदाहरण है कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में सक्रिय भूमिका से ही परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं।

सीहोर कांग्रेस ने की निंदा

मातृशक्ति के अपमान पर पश्चाताप करे भाजपा

सीहोर। जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इसमें कहा गया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप भाजपा विधायक एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए जिस तरह गलियां दी और धमकी भरे शब्दों का उपयोग किया, ऐसा पहले कभी नही हुआ। गरिमा के विपरीत शब्दों का उपयोग किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओमदीप, महेश दयाल चौरसिया, ओम वर्मा, विष्णु प्रसाद राठौड़, के.यू. कुरेशी, राममूर्ति शर्मा ने इस प्रकार के कृत्य की निंदा की। साथ हीअपेक्षा की कि ऐसा फिर कभी नहीं होगा। भाजपाइयों को पश्चताप करना चाहिए। मातृशक्ति के सामने इस तरह की गाली गलोच करना मातृशक्ति का अपमान है, जो कि असहनीय है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, डॉ.बलवीर तोमर, विष्णु प्रसाद राठौर, महेश दयाल चौरसिया, ओमदीप, कलीम कुरैशी, प्रीतम दयाल चौरसिया, राजाराम बड़े भाई, सुनील दुबे, रमेश गुप्ता, डॉ.अनीस खान, रघुवीर सिंह दांगी, साजिद खान, पंकज शर्मा, अरूण मालवीय, तनिष्क त्यागी, गजाराज परमार, अंकुर ठाकुर, ओम सोनी उपस्थित रहे।

कार्य में लापरवाही पर पन्ना, छतरपुर, बिजावर, बड़ा मलहरा परियोजना अधिकारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश

सरकारी योजनाओं में उदासीनता बरतने का उदाहरण बन रहा सागर संभागः कमिश्नर

- योजना में उदासीनता पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सागर और पन्ना को नोटिस
- परियोजना अधिकारी पवई, पृथ्वीपुर, निवाड़ी के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश
- परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुख्यालय में रहें

सागर। दोपहर मेट्रो

सरकारी योजनाओं में किस कदर उदासीनता बरती जा रही है इसका उदाहरण सागर संभाग बन पड़ा है। बीते रोज संभागायुक्त अनिल सुचारी ने स्वास्थ्य की समीक्षा के बाद अफसरों को नोटिस थमाए थे। उदासीनता पर महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों और परियोजना अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कमिश्नर ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि संभाग में

पन्ना, छतरपुर, बिजावर, बड़ा मलहरा परियोजनाओं में लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति काफी कम हुई है। इन सभी परियोजना अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए है कि सागर संभाग में जिन महिला बाल विकास विभाग की परियोजनाओं में लाड़ली लक्ष्मी योजना का 75 प्रतिशत से कम लक्ष्य हासिल किया गया है ऐसे सभी परियोजना अधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने योजना में पन्ना और सागर जिले में अपेक्षित कार्य नहीं होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी पन्ना और जिला कार्यक्रम अधिकारी सागर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए वहीं कमिश्नर ने परियोजना अधिकारी पवई, निवाड़ी, पृथ्वीपुर को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कमिश्नर अनिल सुचारी ने संभाग के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण संदर्भ सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। समीक्षा बैठक में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास बीएल प्रजापति, संयुक्त आयुक्त विकास राकेश शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पारंपरिक डोल ग्यारस पर्व पर जगह-जगह निकले भव्य चल समारोह

राधा-कृष्ण के सजे-धजे डोल भ्रमण पर निकले उत्साह और भक्ति के साथ जयकारों से गूंजे शहर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दिनभर चले बारिश के दौर के बीच बुधवार को शाम होते ही शहर में राधा-कृष्ण के जयकारों के साथ मंदिरों के डोल निकले। शहर में डोल ग्यारस पर्व का उल्लास नगर में देखते ही बन रहा था। मंदिरों की प्रबंधन समितियां सुबह से ही तैयारियों में जुट गई थी। विमान के साथ ही ठाकुर जी और राधा रानी की प्रतिमाओं के श्रृंगार का सिलसिला चलता रहा। शाम होते ही सभी आरती के साथ ही मंदिरों में शंख, ढोल और झांझर के साथ ही राधाकृष्ण के जयकारों की गूंज सुनाई देने लगी।

लकड़ी के विमानों में विराजित होकर कन्हैया अपनी प्रेयसी राधा रानी के साथ नगर भ्रमण करते हुए जल विहार के लिए निकले। नपा प्रबंधन द्वारा करवाई गई जगमगाहट के बीच विमानों का मुख्य बाजार में आने का क्रम कठाली बाजार, ढाल बाजार, कोर्ट गेट चौराहा और टोरी मोहल्ले से लगातार बना रहा। विमानों के सारथी बन कर चल रहे श्रद्धालु जयकारे लगाने के साथ ही विमान को आगे भी बड़ा रहे थे। भगवान के दर्शन के लिए बढ़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार के साथ मुख्य बाजार में आए थे। उन्होंने कतार में लगकर ना केवल भगवान के दर्शन किए और अमनिया के रूप में उन्हें मगठ, पेड़े और फल भी भेंट किए। पंचकुईया घाट की की मनभावन सजावट सभी मंदिरों के ढोले विभिन्न मार्गो से होते हुए पंचकुईया स्थित केथन नदी के घाट पर पहुंचे। यहां पर नपा द्वारा भगवान के जल विहार के लिए बजली की रंगबिरंगी सजावट के साथ ही विशेष प्रबंध किए गए थे। बारिश से नदी का जल बहाव तेज था। इसी में मंदिर प्रबंधन समितियों ने ठाकुर जी और राधा रानी को जल विहार करवाया और महाआरती कर प्रसादी का वितरण भी किया। घाट पहुंचे अधिकांश श्रद्धालु एक ही स्थान पर सभी मंदिरों के ठाकुर जी के दर्शन करने की लालसा लेकर यहां पर आए थे। गणेश की अथाई पर भी डोल ग्यारस के अवसर पर राधा कृष्ण के विग्रह की झांकी लगाई गई जिसमे शयाम तेरे पांव बड़े अचरज भरे भजन पर बाल कलाकारों ने मन भावन नृत्य की प्रस्तुति दी गणेश की अथाई में देर रात तक चले कार्यक्रम में समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा व सभी सदस्य व्यवस्थाओं में लगे रहे।

शोभयात्रा में युवा भजनों पर नाचते-गाते निकले, लगाए जयकारे

सिवनी/मालवा। नगर में डोल ग्यारस का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ देर रात तक मनाया गया। शाम 6 बजे प्राचीन छतरी मंदिर से विमान में सवार होकर माता यशोदा घाट पूजने के लिए नगर के मार्गो से होते हुए शक्ति घाट पहुंची इस बीच पूरे रास्ते भर नगर की महिलाओं ने माता यशोदा की गोद भराई की रस्म कर उनके लिए बधाइयां गई, ऐसी मान्यता है कि जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के जन्म के बाद मोहनी ग्यारस के दिन पढ़ने वाली ग्यारस को डोल ग्यारस पर विमान में सवार होकर माता यशोदा का नदी के घाट पर घाट पूजने की परंपरा है! यह उत्सव अब तो आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं गुम सा हो गया है लेकिन सिवनी मालवा की अति प्राचीन उत्सव को डोल ग्यारस के नाम से जाना जाता था जिसमें पहले के उत्सव में नगर की दुकानों की साजसज्जा डोल ग्यारस से दो रोज पहले ही होकर सज जाया करती थी! इस उत्सव को देखने के लिए श्रद्धालुओं का दूर-दूर से आने का सिलसिला एक रोज पहले से ही हो जाता था! लेकिन आज भी भक्तों का उत्साह और उमंग देखते ही बनता है बुधवार के दिन बारिश के दौरान डोल यात्रा परंपरा अनुसार छतरी मंदिर से विमान निकाले गए डोल के आगे भगवान नरसिंह की आकर्षक झांकी सजाई गई थी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही! बारिश के बीच भी श्रद्धा की उमंग कम नहीं हुई। झांकी के आगे-आगे युवा ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते चल रहे थे। समिति के मोहन राठौर ने बताया कि सिवनी मालवा नगर में अलग-अलग समाजों द्वारा लगभग 7-8 डोल निकाले जाते हैं, जो मुख्य मार्गों से होते हुए शक्ति घाट तक पहुंचते हैं।

पेड़ से टकराई जीप, तीन लोग घायल

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं क्षेत्र में लगातार सड़क हादसे निकल कर सामने आ रहे हैं। रात करीब 9: 30 बजे सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर हुआ जहां पर एक तेज रफ्तार बोलेरो कार जंगली जानवरों को बचाने के चक्कर में पेड़ से टकरा गई जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से तीनों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी अनुसार बोलेरो में सवार संदीप पिता संतोष सिंह लोधी उम्र 40 वर्ष वंदना पति संदीप सिंह लोधी उम्र 30 वर्ष अजीत पिता मूरत सिंह लोधी उम्र 42 वर्ष है तीनों सागर जिले के मुहली थाना रहली के निवासी हैं जो कि जबलपुर पाटन के कटरा बेलखेड़ा में संदीप अपनी सुसराल पत्नी को लेने के लिए आया था जहां से अपनी पत्नी को लेकर वापस अपने गांव मुहली जा रहा था लेकिन तेंदूखेड़ा मुख्यालय से 8 किमी दूर नाग बाबा के समीप सागर रहली मार्ग पर अचानक से जंगल से जानवरों का झुंड सड़क पर आ गया जिन्हें बचाने के चक्कर में कार सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गया हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और बोलेरो में ही फंसे रहे घटना की सूचना जैसे कि सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी व युवा नेता राजकुमार सिंह लोधी को लगी तो मदद के लिए वह अपनी कार से घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को जीप से निकालकर अस्पताल भेजा।

पहलवानों ने कुश्ती में जीते इनाम

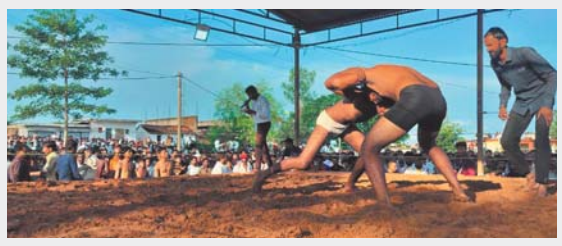

तेन्दुखेड़ा। ग्राम बम्होंरी पांजी में श्री ठाकुर जी के विमान के विसर्जन के साथ कुश्ती महादंगल का आयोजन हुआ। दंगल में अनेक जिलो के पहलवानों ने कुश्ती के जौहर दिखाकर शील्ड सहित नगद इनाम जीते । प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ग्राम बम्होरी में स्वर्गीय ठाकुर जगत सिंह एवं स्वर्गीय ठाकुर जुगराज सिंह के परिवार मै दिलीप सिंह, चरन सिंह, सुरेश सिंह, हीरासिंह ,रोशन सिह, रघुनाथ सिंह एवं टेकसिंह द्वारा श्री ठाकुर जी के विमान की स्थापना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को की गई थी। जन्माष्टमी से ही दोनों जगह प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन हुए। बुधवार की सुबह श्री ठाकुर जी का विधी विधान के साथ हवन पूजन आरती की गई। हवन के उपरांत बैंड गाजे बाजों के साथ श्री ठाकुर जी की शोभा यात्रा निकाली गई।

कैडेट गौरी का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

सागर। शासकीय सांदीपनि विद्यालय एम.एल.बी.क.1 सागर की जूनियर एन.सी.सी. गर्ल्स कैडेट गौरी सोनी ने राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया है। गौरी का चयन दिल्ली में आयोजित सर्विस सूटिंग प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वहीं कैडेट कामना पांडे भी प्री-सर्विस सूटिंग कैंप, ग्वालियर तक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहुँचीं। इन दोनों कैडेट्स ने बीते तीन महीनों से फायरिंग की लगातार प्रैक्टिस और विभिन्न कैंपों में सफलता प्राप्त करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी ट्रेनिंग 7 एम.पी. गर्ल्स बटालियन द्वारा करवाई गई, जिसमें कमान अधिकारी कर्नल सुजीत देशमुख, ए.ओ. मेजर प्रतिभा तिवारी, सूबेदार मेजर ट्रेनिंग श्री सतीश कुमार तथा पूरी स्टाफ टीम का मार्गदर्शन उन्हें प्राप्त हुआ। गौरी सोनी सागर के मोहन नगर वार्ड निवासी सुरेश सोनी हिंडोरिया वालों की पुत्री हैं। इस सफलता पर स्कूल के प्राचार्य विनय कुमार, उपप्राचार्य डॉ. वंदना खरे एवं एन.सी.सी. प्रभारी स्मिता मिश्रा ने दोनों कैडेट्स को बधाई दी।

ड्यूटी के बाद लापता जवान, बाजार जाने का बोलकर निकला था

सागर। केंद्रीय जेल के बाहर तैनात एक जवान ड्यूटी के बाद लापता हो गया। गुना निवासी जवान बनवारी लाल शिवहरे मंगलवार को ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने रूम पर पहुंचा और कुछ सामान लेने का बोलकर बाजार के लिए निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। देर रात तक जब वह रूम पर नहीं आया तो उसके साथी आरक्षकों ने तलाश शुरू की. मामले की शिकायत कपंनी कमांडर ने एसपी कार्यालय में की। गोपालगंज थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की गई है. गोपालगंज थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि लापता आरक्षक बनवारी शिवहरे 26वीं बटालियन गुना में पदस्थ है। उसकी ड्यूटी जेल के बाहर टॉवर पर थी। करीब चार दिन पहले ही वह अपनी कंपनी के साथ सागर ड्यूटी पर आया था। मंगलवार को आरक्षक ने ड्यूटी तो पूरी की, लेकिन उसके बाद वह गायब हो गया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों, के फुटेज खंगाले हैं। आरक्षक के परिजन भी सागर पहुंच गए हैं, जिनसे उसकी गतिविधियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

श्री गणेश की भक्ति में भाजपा जिलाअध्यक्ष ने बजाई टोलक, महिला मोर्चा ने गाए भजन

सागर। भगवान श्री गणेश की भक्ति में समूचा शहर डूबा हुआ है। धर्म श्री स्थित संभागीय भाजपा कार्यालय में विराजमान भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना पूर्ण भक्ति भाव के साथ निरंतर जारी है। भाजपा नेताओं के अलावा आसपास के श्रद्धालुजन भी कार्यालय में आयोजित नित्य आरती व धार्मिक आयोजन में शामिल होते है। बुधवार को भाजपा महिला मोर्चा ने भजनों के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिलाओं ने भगवान गणेश के मंत्रमुग्ध करने वाले मधुर भजन गाए, इस दोरान जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने ढोलक बजाई और महिलाओं का उत्साह वर्धन किया। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया किया भजन कार्यक्रम उपरांत संध्याकालीन आरती में सांसद डॉ.लता वानखेड़े,महापौर संगीता तिवारी, अनुश्री जैन,सविता सिंह राजपूत, संध्या भार्गव, शिल्पी भार्गव, जडिया संगीता श्वेता नेमा,सहित अन्य मातृशक्ति व जिला पदाधिकारी कार्यकर्ता व आमजन थे।

इच्छाओं का खत्म हो जाना ही तप का वास्तविक स्वरूप है-प्रयोग सागर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में पर्यूषण पर्व के अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ जिनालय, शांतिनाथ जिनालय एवं चैत्यालय जी में संगीतमय अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित हो रहे है। दशलक्षण पर्व पर पार्श्वनाथ जिनालय के समोशरण हाल में सुवह साढे 6 बजे से मुनिश्री प्रयोग सागर जी के सानिध्य में भगवान श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा पूजन हो रहा है। सुबह 8 बजे से नगर में विराजमान मुनिवर प्रयोगसागर जी से मंगल प्रवचन का लाभ ले रहे है। उत्तम तप पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन में कहा की तप क्या है? आज संसार में तप की अनेक परिभाषा हैं, किंतु साधको को तप वही बताया गया है जिसमें उसके अंतरंग परिणाम निर्मल हों, आचार्यो ने तप की स्पष्ट परिभाषा शास्त्रों में दी है इच्छा निरोधरू तपरू अर्थात इच्छाओं को रोकना एवं शमन करना ही तप है, कितना भी तप है किंतु आपकी इच्छायें अभी भी सीमित नहीं है तो हर तप शून्य है, आज तक जितने भी जीव सिद्ध बने हैं उन्होंने इस तप का आश्रय लिया है, आगे भी जो बनेंगे वो इसी तप से बनेंगे, तप में संसार की कोई मांग नहीं होती, भगवान से कुछ पाने की इच्छाओ का खत्म हो जाना ही तप का वास्तविक स्वरूप है। उक्त उदगार सुनकर श्रावक वर्ग ने अपना मार्गदर्शन लिया। इसके अलावा तत्वार्थ सूत्र जी का वाचन हुआ।

मेट्रो एंकर

काले पत्थरों के बीच तेज बहाव से गुज़रता पानी लोगों का मोह रहा मन

भेड़ाघाट जैसा मनमोहक दृश्य देखने उमड़ रहे सैलानी

सागर। दोपहर मेट्रो

मानसून की विदाई की बेला में प्रकृति अपनी नयनाभिराम छटा बिखेर रही है। एक तरफ जहां सागर में उत्तराखंड जैसे मनोरम नजारे देखने को मिल रहा है वहीं राजघाट बांध पर काले पत्थरों का भेड़ाघाट का मनमोहक दृश्य देखने के लिए शहर से सैलानियों का जमावड़ा भी हो रहा है। सागर से करीब 20 किलोमीटर दूर सागर की जीवनदायनी बेबस नदी में भरपूर पानी आने से इसके केचमेंट एरिया में पानी का ओवरफ्लो होने से काले पत्थरों से गुजरता पानी जबलपुर के भेड़ाघाट जैसा मनोरम नजारा दिखा रहा है। भेड़ाघाट में संगमरमर की धवल चट्टानों के ऊपर से गिरता पानी और सागर के राजघाट डेम पर काले पत्थरों के बीच तेज बहाव से गुज़रता पानी मन को मोह रहा है। पिछले दो दिनों से रुक रुक कर हो रही वारिश ने मौसम को और भी रोमांचक बना दिया है। प्रकृति प्रेमी और पर्यावरण से लगाव रखने वाले लोग यहां पहुंच कर मौसम का लुफ्त उठा रहे हैं. पानी के पास पहुंच कर लोग फोटोग्राफी और सेल्फी भी ले रहे हैं। राजघाट के आसपास ठेलों पर बिक रहे भुट्टे का मजा भी ले रहे हैं ।

जीएसटी को लेकर विद्यार्थियों ने बताए फायदे और चुनौतियां

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के कक्षा 12वीं के विद्यार्थी अनंता वरहैया, उदय पचौरी, रमनप्रीत कौर, शिव नगर, अनन्या तिवारी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी परिषद की बैठक में जो निर्णय लिए हैं उसको लेकर बताया है कि जिसमें रोज़मर्रा का जो सामान सस्ता किया उससे राहत मिलेगी,जिसमें साबुन, तेल, टूथपेस्ट, कॉपी, पेन, बैग आदि शामिल हैं। छात्रों और परिवारों का बजट हल्का होगा।

पढ़ाई का खर्च घटाः स्टेशनरी और शिक्षा सामग्री सस्ती होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई आसान होगी। कोल्ड ड्रिंक महँगाः अब छात्र ठंडी छोड़कर दूध, जूस और चाय की ओर रुख करेंगे। यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। किसानों को राहतः ट्रैक्टर, खाद और सिंचाई उपकरण सस्ते होने से खेती की लागत घटेगी। जब घर की खेती सुधरेगी तो छात्रों का भविष्य भी उज्ज्वल होगा। बीमा सस्ताः स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर टैक्स हटने से ग्रामीण परिवार भी आसानी से बीमा ले पाएँगे। वहीं चुनौतियां संबंधित सरकार का राजस्व घटेगा, जिससे राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है, राज्यों का दबाव केंद्र पर बढ़ेगा, क्योंकि उनकी आय भी कम होगी, लग्जरी सामान और बड़ी गाड़ियां और महंगी होंगी, जिससे वे आम आदमी की पहुंचे से दूर हो जाएंगी।

मिचेल स्टार्क की मजेदार है लव लाइफ

यूं बढ़े खानदान की इंटरनेशनल महिला क्रिकेटर से हुआ प्यार

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के दो मशहूर क्रिकेटर, मिचेल स्टार्क और एलिसा हीली की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। इनकी मुलाकात बचपन में हुई थी, जब वे सिर्फ 9 साल के थे। वे सिडनी के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट जूनियर क्रिकेट एसोसिएशन में एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे थे। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती हुई, जो प्यार में बदल गई और इन दोनों ने साल 2016 में शादी कर ली।

कैसे हुई लव स्टोरी की शुरुआत

एक-दूसरे से बिल्कुल अलग फिर भी एक ही खेल के प्रति उनका जुनून उन्हें करीब ले आया। उनकी कहानी की शुरुआत 9 साल की उम्र में सिडनी के एक जूनियर क्रिकेट लीग में हुई, जहां वे एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी के तौर पर मैदान में उतरे। अगले ही साल दोनों एक ही टीम का हिस्सा थे और स्टार्क के पिता पॉल उनके कोच थे। दोनों बचपन में अच्छे दोस्त और टीम के साथी बने रहे। स्टार्क ने एक बार मजाक में कहा भी था कि उन्हें छोटी सुनहरी बालों वाली विकेटकीपर पसंद थी। जिसे एलिसा हीली ने सच मान लिया था। आगे चल कर यह मजाक हकीकत में बदल गया।

18 साल की उम्र में दोस्त से बने कपल

उनकी दोस्ती तब प्यार में बदली जब वे लगभग 18 साल के थे। एलिसा ने बताया कि वे और स्टार्क ब्रिस्बेन में एक साथ समय बिता रहे थे। उस समय एलिसा NSW के लिए हॉकी खेल रही थीं और स्टार्क नेशनल परफॉर्मेंस स्क्वाड के साथ ट्रेनिंग कर रहे थे। एक-दूसरे से बार-बार मिलने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि यह दोस्ती से बढ़कर कुछ और है। स्टार्क ने कहा कि उन्हें यह पूछना अजीब लगा कि क्या वह दोनों डेटिंग कर रहे हैं? क्योंकि यह सब बहुत स्वाभाविक रूप से हो रहा था।

दोनों ने जीते कई वर्ल्ड कप

2015 में दोनों ने सगाई कर ली और 2016 में शादी के बंधन में बंध गए। आज भी उनकी शादीशुदा जिंदगी में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। उन्होंने बताया कि वे हर साल गोल्फ खेलते हैं और जीतने वाले को स्टीली कप मिलता है। वे अपने खेल के प्रति समर्पण और एक-दूसरे के लिए प्यार के कारण कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं। इन दोनों ने मिलकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को एक नई उंचाइयों पर पहुंचाया है। मिचेल स्टार्क ने 02 सितंबर 2025 को टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। हालांकि वह अभी वनडे और टेस्ट क्रिकेट खेलते रहेंगे। दोनों ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अब कुल 12 आईसीसी ट्रॉफी जीती है। जिसमें 11 वर्ल्ड कप हैं।

एशिया हॉकी कप-2025 में भारत हारते-हारते बचा

मनदीप सिंह ने किया कोरिया के सामने खेला मैच 2-2 से ड्रॉ, हार्दिक ने दिलाई भारत को बढ़त

राजगीर (बिहार), एजेंसी

एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर फोर राउंड के अपने पहले मैच में भारत ने बुधवार को डिफेंडिंग चैंपियन कोरिया के खिलाफ कई मौके गंवाए और उसे 2-2 से ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। गेंद पर कब्जा करने और मौकों के मामले में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहतर था लेकिन कोरियाई टीम ने मजबूती से बचाव करते हुए ड्रॉ हासिल किया। दोनों टीमों को एक-एक प्वाइंट मिला।

हार्दिक सिंह (8वें मिनट) ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई जिसके बाद यांग जिहुन (12वें मिनट) और ह्योनहोंग किम (14वें मिनट) ने लगातार गोल करके कोरिया को मुकाबले में आगे कर दिया। इसके बाद मनदीप सिंह (52वें मिनट) ने अंतिम क्वार्टर में बराबरी हासिल की।

मैच भारी बारिश के कारण लगभग 50 मिनट देरी से शुरू हुआ। शुरुआत से ही हार्दिक मिडफील्ड में अपने सटीक ड्रिबल से भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। भारत ने दूसरे मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारत को सातवें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वे कोरियाई रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रहे।

कोरियाई रक्षकों को खूब छकाया भारतीयों ने

लेकिन एक मिनट बाद ही भारत ने हार्दिक के जरिए बढ़त हासिल कर ली। सुखजीत सिंह ने हाफलाइन में हार्दिक को पास दिया जिन्होंने चार-पांच कोरियाई रक्षकों को छकाते हुए गोलकीपर के ऊपर से गेंद को गोल में डालकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। फिर भारत के कुछ खराब डिफेंस् ने कोरिया को 12वें मिनट में बराबरी दिला दी। सर्किल के अंदर जुगराज सिंह द्वारा एक कोरियाई खिलाड़ी को जानबूझकर दिया गया धक्का पेनल्टी स्ट्रोक का कारण बना और जिहुन यांग ने इस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। दो मिनट बाद कोरिया ने एक और गोल कर दिया। ह्योनहोंग किम ने अपने पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। दूसरे गोल ने भारतीयों को थोड़ा बेचैन कर दिया। भारतीय टीम कुछ बार सर्कल में घुसने में कामयाब रही लेकिन कोरियाई रक्षापंक्ति मजबूत द?खाई दी। पहले हाफ तक भारत 1-2 से पीछे था। फिर कोरिया ने खेल स्लो करने की कोशिश की और गेंद पर कब्जा बनाए रखा। भारत को 41वें मिनट में बराबरी का सुनहरा मौका मिला लेकिन मनप्रीत सिंह से मिले पास पर सुखजीत सिंह गोल नहीं कर पाए।

भारत ने चौथे और आखिरी क्वार्टर में लगातार बनाए मौके

तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से कुछ सेकंड पहले भारत को अपना चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत के प्रयास को कोरियाई डिफेंस ने बचा लिया। भारत ने चौथे और आखिरी क्वार्टर में लगातार मौके बनाए लेकिन फॉरवर्ड लाइन स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर ही चूक गई और आसान मौके गंवा दिए। भारत को 49वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन जुगराज की फ्लिक को कोरियाई खिलाड़ी ने रोक दिया। कोरियाई डिफेंस आखिरकार लगातार दबाव में लड़खड़ा गया जब मनदीप ने सुखजीत की मदद से गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। भारत ने कुछ सेकंड बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन अमित रोहिदास का शॉट वाइड चला गया। भारत ने सीटी बजने तक दबाव बनाए रखा और विजयी गोल की तलाश जारी रखी लेकिन गोल नहीं हो सका।

भारत का एशिया कप में प्रदर्शन

भारत अब गुरुवार को मलेशिया से खेलेगा जबकि कोरिया की टीम चीन के सामने होगी। भारतीय टीम ने पूल ए के सभी मैचों में जीत दर्ज की। उसने चीन को 4-3, जापान को 3-2 से हराया और फिर कजाखस्तान को 15-0 से रौंदा था।

यूएस ओपन : पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में युकी भांबरी

इंडो और न्यूजीलैंड जोड़ी अब भिड़ेगी अमेरिका राजीव और क्रोएशिया के निकोला की जोड़ी से

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारत के युकी भांबरी न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस के साथ यूएस ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। भांबरी-वीनस की जोड़ी ने जर्मनी के केविन क्रावित्ज-टिम पुएत्ज की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। यह इंडो-न्यूजीलैंड जोड़ी अब 41 वर्षीय अमेरिकी राजीव राम और उनके जोड़ीदार निकोला मेक्टिक की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी। निकोला क्रोएशिया से हैं।

भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष डबल्स टेनिस खिलाड़ी भांबरी ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। वह वर्तमान में वर्ल्ड नंबर 32 हैं। पिछले साल भांबरी ने फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी अल्बानो ओलिवेटी के साथ यूएस ओपन खेला था। वह प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। उस

तीन सेटों का यह मुकाबला चला करीब तीन घंटे तक

इससे पहले, भांबरी और वीनस ने कोलंबिया के गोंजालो एस्कोबार और मैक्सिको के मिगेल एंजेल रेयेस-वरेला की जोड़ी को 6-1, 7-5 से शिकस्त देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। यह मुकाबला 1 घंटे 25 मिनट तक चला। वहीं, राम और मेक्टिक की जोड़ी ने ब्राजील के फर्नांडो रोम्बोली और ब्रिटेन के जॉन-पैट्रिक स्मिथ की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-7(7), 7-5, 7-5 से शिकस्त दी। तीन सेटों का यह मुकाबला करीब तीन घंटे तक चला। राम ने दूसरे दौर की जीत के साथ ही अपनी 500वीं टूर-स्तरीय जीत हासिल की। राम 500 टूर-स्तरीय युगल जीत तक पहुंचने वाले सातवें सक्रिय खिलाड़ी बन गए और वह इतनी जीत हासिल करने वाले एकमात्र सक्रिय अमेरिकी हैं।

हम अपनी ताकत फिर से पा लेंगे, बेंगलुरु भगदड़ पर रजत का भावुक संदेश

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने टीम के पहले आईपीएल खिताब जीतने के बाद 4 जून को जश्न के दौरान हुई भगदड़ पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस घटना में 11 फैंस की जान चली गई थी।

फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कप्तान रजत पाटीदार के हवाले से लिखा, जब भी मैं आरसीबी के लिए जोश के साथ मैदान पर उतरता हूं, वो जोश आपसे आता है। यह जोश आपके प्यार, आपके विश्वास और आपके अटूट समर्थन से आता है। आप हमेशा हमारे साथ खड़े रहे हैं। मैं तहे दिल से चाहता हूं कि आपको पता चले कि हम भी आपके साथ हैं। आप सब मेरे विचारों और दुआओं में हैं। हम सब एक-दूसरे का सहारा बनकर फिर से अपनी ताकत हासिल करेंगे। इससे पहले विराट कोहली ने घटना पर दुख जताते हुए कहा था, जिंदगी में कुछ भी आपको 4 जून जैसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करता।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सोनू सूद बने असली हीरो, बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद भले ही बड़े पर्दे पर ज्यादातर विलेन का किरदार निभाते हैं, लेकिन वह असल जिंदगी में किसी हीरो से कम नहीं हैं। पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ ने कई इलाकों में तबाही मचाई है और इस मुश्किल घड़ी में सोनू सूद प्रभावित लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरे हैं।

सोनू ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह पंजाब में फंसे बाढ़ पीड़ितों से मदद का वादा कर रहे हैं कि उन्होंने कुछ इलाकों में लोगों तक जरूरत के सामान पहुंचा दिए हैं, और बाकी जगहों तक भी पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, ÷हम पंजाब के कुछ बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंच चुके हैं और बाकी जगहों तक भी पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। यह सिर्फ मदद नहीं है, यह हमारा वादा है कि हम हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे। उनकी यह बातें लोगों के दिलों को छू रही हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी सोनू ने जरूरतमंदों की मदद के लिए दिन-रात काम किया था। प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने से लेकर मेडिकल सुविधाएं मुहैया कराने तक, उन्होंने हर संभव मदद की थी। पंजाब में बाढ़ ने कई गांवों और कस्बों को प्रभावित किया है। घर, फसलें और आजीविका का नुकसान झेल रहे लोगों के लिए सोनू की यह पहल एक बड़ा सहारा है। उनकी टीम राहत सामग्री वितरित करने

सलाकार की सफलता से लेकर नॉन-स्टॉप शूटिंग तक

मौनी रॉय के पास एक के बाद एक प्रोजेक्ट्स की भरमार

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कभी भी ठहराव नहीं आता, और मौनी रॉय के लिए, जो इन दिनों सफलता की लहर पर सवार हैं, यह रफ्तार अब एक व्यस्त शूटिंग शेड्यूल में तब्दील हो चुकी है। हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज़ सलाकार में मरियम के अपने आकर्षक किरदार के लिए मिली आलोचनात्मक प्रशंसा के बाद, इस बहुमुखी अभिनेत्री ने खुद को एक व्यस्त शेड्यूल में पाया है, जहाँ वह एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट में सहजता से आगे बढ़ रही हैं। मरियम के रूप में उनकी भावपूर्ण अभिनय ने न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी अभिनय क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की सबसे विश्वसनीय और बहु-प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को भी मजबूत किया, इसके चलते उन्हें कई नामी निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है।

फिलहाल मौनी रॉय मशहूर फिल्मकार मधुर भंडारकर की अगली फिल्म द वाइव्स की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर सेट से एक बिहाइंड-द-सीन्स पल साझा किया, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा चलो चलो – जो उनके शेड्यूल की रफ्तार और ऊर्जा को बखूबी दर्शाता है। मधुर भंडारकर, जो समकालीन भारतीय समाज की यथार्थवादी कहानियों के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर ऐसे कलाकारों के साथ काम कर रहे हैं जो उनके किरदारों में गहराई और प्रामाणिकता ला सकें, और इस प्रोजेक्ट में मौनी का शामिल होना इंडस्ट्री में उनके बढ़ते कद और विश्वास को दर्शाता है। यह बैक-टू-बैक शूटिंग शेड्यूल इस बात का उदाहरण है कि मनोरंजन जगत में सफलता किस तरह प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए नए अवसरों का सिलसिला बन जाती है। मौनी रॉय के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं और निर्देशक उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं – यह उनके करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है। मौनी अगली बार टॉलीवुड मेगास्टार चिरंजीवी के साथ उनकी अगली फिल्म विश्वंभर में एक विशेष भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके बाद फिल्म सिला में एक और स्पेशल डांस नंबर में दिखाई देंगी। जहां वह फिलहाल द वाइव्स की शूटिंग कर रही हैं, वहीं मौनी ने मई 2025 में वरुण धवन अभिनीत फिल्म है जवानी तो इश्क होना है

मेट्रो बाजार

ऑल-टाइम हाई पर सोना-चांदी, पीली धातु की कीमत 1.06 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। कीमती धातु सोना और चांदी की कीमतों में बुधवार को तेजी दर्ज की गई है। दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतें ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई हैं। जहां 10 ग्राम सोना 1.06 लाख के पार हो गया है वहीं, 1 किलोग्राम चांदी ने भी 1.23 लाख पार की छलांग लगा ली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 1,06,021 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि इससे पहले मंगलवार को 1,04,424 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 24 कैरेट सोने में 24 घंटों में 1,597 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 97,115 रुपए हो गई है, जो कि इससे पहले 95,652 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 79,516 रुपए हो गया है, जो कि पहले 78,318 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इसी तरह, चांदी की कीमत भी बढ़कर 1,23,220 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है, जो कि बीते कारोबारी दिन 1,22,833 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज की गई थी। 1 किलोग्राम चांदी की कीमत में 387 रुपए की तेजी दर्ज की गई है। आईबीजेए की ओर से सोने और चांदी की कीमतों को दिन में दो बार सुबह और शाम अपडेट किया जाता है।

2 करोड़ से अधिक फर्जी फोन कनेक्शन किए गए ब्लॉक, फर्जी कॉल में 97% की आई कमी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय दूरसंचार विभाग ने धोखाधड़ी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे 2 करोड़ से अधिक मोबाइल कनेक्शन ब्लॉक कर दिए हैं और स्पूफ कॉल्स में 97 प्रतिशत की कमी लाने में सफलता हासिल की है। डॉ. मित्तल दक्षिण गोवा में दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित सुरक्षा संबंधी मामलों पर एनुअल वेस्ट जोन कॉन्फ्रेंस में वीडियो लिंक के जरिए सभा को संबोधित किया और साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ दूरसंचार क्षेत्र की लड़ाई में प्रमुख उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने स्पूफ कॉल्स में कमी का श्रेय सरकार की संचार साथी पहल को दिया, जो दूरसंचार सेवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए शुरू किया गया एक प्लेटफॉर्म है। स्पूफ कॉल्स फर्जी कॉल्स होती हैं, जिनमें स्कैमर्स कॉलर आईडी की जानकारी में हेरफेर कर धोखाधड़ी या लोगों को धोखा देने के लिए अपनी पहचान छिपाते हैं। मित्तल ने कहा कि संचार साथी के साथ-साथ, विभाग ने धोखाधड़ी, विशेष रूप से वित्तीय क्षेत्र में, से संबंधित जानकारी को क्राउडसोर्स करने के लिए एक डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म विकसित किया है। यह प्लेटफॉर्म बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को चल रहे घोटालों से संबंधित डेटा साझा करने और उस तक पहुंचने में मदद करता है। दूरसंचार के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मित्तल ने कहा कि जहां दूरसंचार उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, वहीं दूरसंचार संसाधनों का दुरुपयोग विशेष रूप से वित्तीय धोखाधड़ी में भी बढ़ा है।

खेत में काम करते समय करंट लगने से युवक की मौत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में खेत पर काम करने पहुंचे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मर्ग जांच के बाद खेत मालिक के खिलाफ लापरवाही से काम कराने का मामला दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि हिमेश मियां पुत्र वसीम मियां (18) ग्राम अमझरा में रहता था और मजदूरी करता था। बुधवार की सुबह गांव में रहने वाला हरी कुर्मी उसे अपने खेत पर काम के लिए लेकर गया था। हिमेश के साथ गांव के कई अन्य महिला-पुरुष भी काम करने पहुंचे थे। सभी लोगों को धान के खेत पर निराई का काम करना था। इस खेत पर मोटर पंप वाला बिजली का तार पड़ा हुआ था। तार को देखने के बाद सभी लोगों ने काम करने से इंकार किया तो हरी ने बताया कि इस तार में करंट नहीं है। उसके बाद सभी लोग खेत पर काम करने लगे। निराई करते हुए हिमेश तार के पास पहुंचा तो वह तार को हटाने लगा। उसी समय हिमेश को बिजली का तेज झटका लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे इलाज के लिए रायसेन रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद हरी कुर्मी के खिलाफ लापरवाही पूर्वक काम कराने का मामला दर्ज कर लिया है।

कोटवार संघ ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के कोटवारों ने गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर भोपाल के अटल पथ पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश के 38 हजार कोटवारों को परमानेंट करने, सेवाकाल में 10 वर्ष पूर्ण कर चुके कोटवारों को शैक्षणिक योग्यता एवं समान कार्य समान वेतन के सर्वोच्च न्यायालय भारत सरकार के आदेश के आधार पर योग्यतानुसार भृत्य, वाहन चालक, कम्पयूटर ऑपरेटर, सहायक ग्रेड-3, चेनमेन, पटवारी आदि समकक्ष पदों पर पदोन्नती का लाभ देने, राजस्व विभाग में भविष्य में भरे जाने वाले सभी समकक्ष पदों पर कोटवारों को भर्ती में 27 प्रतिशत आरक्षण देने और वेतन बढ़ाने समेत अनेक मांगे शामिल हैं।

जहरीले पानी से 2.5 लाख लोगों को गंभीर बीमारियों का खतरा!

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल के कई इलाकों में इस वक्त पीने का पानी स्वास्थ के लिए जहर बना हुआ है। घरों में सप्लाई हो रहे पानी में एसटीपी के गंदगी के मिलने से कई स्वास्थ संबंधी बीमारियों को खतरा बढ़ा है। भोपाल में इस वक्त 2.50 लाख से ज्यादा लोगों की सेहत पर खंतरा मंडरा रहा है। यहां घरों में दूषित पानी सप्लाई होने की वजह से हैजा, टाइफाइड, पीलिया और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। राजधानी के घरों में सप्लाई हो रहे दूषित पानी का मुख्य कारण है एसटीपी जिसका गंदा पानी सप्लाई लाइनों में मिलकर घरों तक पहुंच रहा है।

भोपाल में गंदे पानी से खतरा

भोपाल में लगभग 60 अवैध और 25 वैध कॉलोनियों में एसटीपी का पानी खुलेआम बह रहा है। ट्रीटमेंट प्लांट का ये दूषित पानी, वाटर सप्लाई में मिक्स हो रहा और घर-घर तक पहुंच रहा है। पटेल नगर, कटारा हिल्स, बैरागढ़, कोलार, करोद, अयोध्या बायपास और बावड़िया जैसे क्षेत्रों में पानी की समस्या से स्वास्थ संबंधी बीमारियां बढ़ी हैं।

महिलाओं को अपने घर बुलाया और वहां रेप की घटना को अंजाम दिया

तलाकशुदा महिलाओं को प्यार के जाल में फंसाया, शारीरिक शोषण कर की ठगी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

शादी डॉट कॉम से दोस्ती करके दो महिलाओं का वीडियो बनाकर दुष्कर्म और 68 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपी अविनाश प्रजापति ने दो तलाकशुदा महिलाओं को प्यार के जाल में फंसाया और फिर उन दोनों के साथ ने केवल शारीरिक शोषण कर ठगी भी की।

दोनों महिलाओं फंसाने के लिए उसने शादी डॉट कॉम पर अपना फर्जी प्रोफाइल बनाया और खुद को तलाकशुदा बताया। इसी बहाने उसने दो महिलाओं से अलग-अलग मुलाकात की और उनसे नजदीकियां बढ़ाईं। इसके बाद शादी का वादा करके एक महिला से 28 लाख लिये और दूसरी महिला से 40 लाख रुपए ले लिये था।

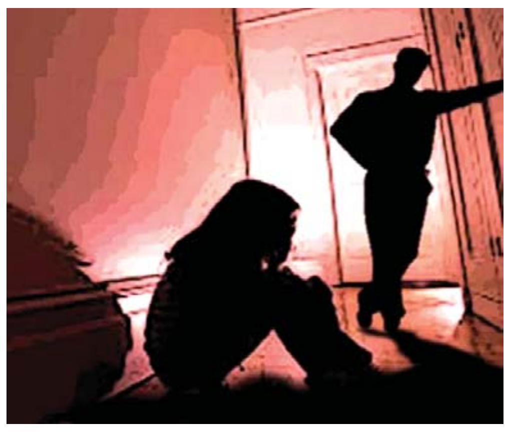

शादी और कारोबार का दिखाया सपना

पीड़िता महिलाओं ने दी शिकायत में बताया कि आरोपी ने शादी और कारोबार का सपना दिखाकर लगभग 68 लाख रुपये ठग लिए। एक ने अपने गहनों से लोन लेकर करीब 40 लाख और वहीं दूसरी ब्यूटीशियन महिला से लगभग 28 लाख दिए थे । दोनों महिलाओं ने पैसे लौटाने और शादी की बात की तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

ऐसे दिया घटना को अंजाम

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपनी पत्नी को मां बताकर पीड़िताओं से मिलवाया था। इसके बाद उसने महिलाओं को अपने घर बुलाया और वहां रेप की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान उसकी पत्नी ने दोनों के वीडियो बनाए थे। फिर दोनों को ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया गया।

बताता था फैक्ट्री का मालिक: आरोपी अविनाश ने खुद को फैक्ट्री मालिक बताया था। वह खुद को एक सफल कारोबारी बताकर भरोसा में लिया था। इसके बाद महिलाओं को फंसाकर उनसे पैसे ऐंठना और शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया था।

सुसाइड करने की कोशिश की

रुपये और समान दोनों खोने के बाद एक महिला इतनी टूट गई कि उसने सुसाइड की कोशिश भी की। बाद में उसके परिवार ने उसे समझाया और काउंसलिंग करवाई। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। दूसरी महिला ने भी हिमत जुटाकर एफआईआर कराई।

सोशल साइट पर मिली महिला से दुष्कर्म

भोपाल। मैट्रिमोनियल साइट पर मिली महिला से दोस्ती कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 49 वर्षीय तलाकशुदा महिला से ऑनलाइन दोस्ती कर दुष्कर्म करने के मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की पहचान आरोपी महेश भगवानी से एक मैट्रिमोनियल साइट के जरिए हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत और फोन पर संपर्क बढ़ गया था। पुलिस ने बताया कि इसी साल मार्च में महेश भगवानी भोपाल आया और एक रिसॉर्ट में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए थे। पीड़िता ने हिमत जुटाकर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी देते हुए रातीबड़ थाना प्रभारी रस बिहारी शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया गया है।

रिमांड पर लेकर रुपए की होगी रिकवरी

थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि पीड़िता दोनों महिलाओं की शिकायत पर दुष्कर्म और धोखाधड़ी केस दर्ज कर आरोपी को गिरतार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर रुपये की रिकवरी की जाएगी। वहीं इस मामले में पूछताछ के आधार पर शामिल आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

बोहरा समाज से मिले मुख्यमंत्री

भोपाल। उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बोहरा समाज के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान बच्चे को दुलार करते मुख्यमंत्री।

काउंसिलिंग का दूसरा चरण 10 से शुरू

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में नीट-यूजी काउंसिलिंग का पहला चरण पूरा हो चुका है। अब जिन छात्रों ने पहली सूची में सीट हासिल कर ली है और अब वे 7 सितंबर तक अपग्रेडेशन करा सकेंगे। वहीं नीट-यूटी काउंसिलिंग का दूसरा चरण 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। जानकारी के मुताबिक, ऑल इंडिया कोटा काउंसिलिंग में बदलाव के बाद संचालनालय चिकित्सा शिक्षा ने पोर्टल दोबारा खोला है। पहले यह समय सीमा 31 अगस्त तक थी, लेकिन अब छात्रों को अतिरिक्त मौका मिल गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि 10 सितंबर से राज्य काउंसिलिंग का दूसरा दौर शुरू होने की संभावना है। पहली सूची में जिन छात्रों को मनपसंद कॉलेज नहीं मिल पाया, वे अपग्रेडेशन के जरिए अब बेहतर विकल्प चुन सकते हैं।

मध्यप्रदेश पुलिस की खास पहल, देशभर से रिकॉर्ड 746 प्रोजेक्ट शामिल

17 को भोपाल में होगा सीआईआईएस 2025 हैकाथॉन मुख्य सम्मेलन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित सायबर इनोवेशन एण्ड इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी समिट (सीआईआईएस) 2025 हैकाथॉन को पूरे देश से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यह कार्यक्रम युवाओं को साइबर सुरक्षा और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दे रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के 208 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से 1159 टीमों ने पंजीकरण कराया। इनमें कुल 4459 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सबसे ज्यादा टीमें मध्यप्रदेश से शामिल हुईं।

रिकॉर्ड प्रोजेक्ट सबमिशन हैकाथॉन की अंतिम तिथि तक कुल 746 प्रोजेक्ट जमा हुए। यह अब तक के किसी भी पुलिस हैकाथॉन का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। यह युवाओं की बढ़ती रुचि और उनकी नवाचार क्षमता को दर्शाता है। प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन 28 विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, क्लियरट्रेल कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञ और पुलिस साइबर सेल अधिकारियों की संयुक्त टीमें 2 से 4 सितम्बर तक सतत कार्य कर प्रथम

चरण का मूल्यांकन करेंगी। इसके उपरांत 4 सितम्बर की शाम 6 बजे तक कुल 30 सर्वश्रेष्ठ टीमों (प्रत्येक केंद्र से 10-10) का चयन कर सेमीफाइनल्स के लिए सूची जारी की जाएगी। तीन शहरों में होगा सेमीफाइनल सेमीफाइनल में चयनित टीमें क्रमश: 9 सितम्बर को इंदौर स्थित एसजीएसआईटीएस में, 10 सितम्बर को भोपाल स्थित मैनिट में तथा 11 सितम्बर को जबलपुर स्थित जेईसी में अपनी प्रस्तुति देंगी। यहां साइबर सेल अधिकारियों और वरिष्ठ ज्यूरी के समक्ष टीमों की तकनीकी दक्षता, नवाचार और व्यवहारिक उपयोगिता का मूल्यांकन किया जाएगा। फाइनल और सम्मान समारोह प्रत्येक केंद्र से चुनी गई बेहतरीन टीमों को 17 सितम्बर 2025 को भोपाल में आयोजित सीआईआईएस 2025 मुख्य सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रस्तुति देने का मौका मिलेगा। उन्हें राष्ट्रीय स्तर के मंच पर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | अंधे कत्ल का पर्दाफाश, आरोपी गिरतार, हत्या को आत्महत्या बताने के लिए गले के पास रखा ब्लेड

युवती को परेशान करता था हत्यारा, शादी तय होने पर लिया बदला

भोपाल, दोहपर मेट्रो

टीटी नगर पुलिस ने मंगलवार को पंचशील नगर में हुए अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरतार कर लिया है।

आरोपी ने युवती का गला रेत कर हत्या की थी। हत्या को आत्महत्या बताने के लिए आरोपी ने मृतका के पास ब्लेड रख दी थी, ताकि लगे की युवती ने खुद गला काटकर खुदकुशी की है।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। आरोपी मृतिका रोशनी को रोककर आए दिनपरेशान करताथा। मृतिका के परिजनों ने उसकी सगाई एक अन्य युवक से तय कर दी थी और दो महीने बाद शादी होनी थी। इससे आरोपी नाखुश था और मृतिका से मिलने के लिए दबाव बना रहा था। पुलिस ने मृतिका के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल से पता लगाया कि आरोपी ने अनेक बार उसे फोनकर अपने पास बुलाने का प्रयास किया था। जब युवती नहीं मानी तो आरोपी हत्या करने की नियत से खुद ही उसके पास जा पहुंचा। पुलिस ओर फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। इसमें हत्या होने आशंका पर आरोपी मुबिन खान के खिलाफ मिले साक्ष्यों के आधार पर केस दर्ज कर विवेचना में लिया। आरोपी ने जुर्म कबूल किया है।

यह थी घटना

पुलिस ने बताया कि मोहमद एजाज ने थाने पहुंच कर बेटी की गला काट कर हत्या किए जाने की सूचना दी। उन्होंने बताया कि सोमवार रात खाना खाकर सो गए। बेटी रोशनी सबसे ऊपर वाले कमरे में सोती है। मंगलवार सुबह बेटा फैयाज स्कूल जाने के लिए बहन रोशनी के कमरे में तैयार होने गया। दरवाजा खटखटाया तो गेट नहीं खुला, उसने मां को बताया। मां ने भी दरवाजा खुलवाने की कोशिश की पर दरवाजा नहीं खुला। इस पर फैयाज रोशनी के कमरे के ऊपर लगी चादर हटाकर अंदर पहुंचा तो चीख कर रोने लगा।

ऐसे पहुंचा आरोपी

1 सितंबर की रात आरोपी बगल वाले घर की सीढ़ियों से छत पर चढ़ा और मृतिका के घर की छत से उसके कमरे में पहुंचा। मृतिका ने उसकी बात नहीं मानी तो चाकू से रोशनी का गला काटकर हत्या कर दी। किसी को उसकी हत्या होने का शक न हो इसलिए उसके पास एक ब्लेड रख दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने मृतिका के कमरे का गेट अंदर से बंद करके अपने घर चला गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की। आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि मोहल्ले में ही रहने वाला मुबिन खान का रोशनी को परेशान करता था। रोशनी की सगाई होने से मुबिन नाराज था। पुलिस ने मुबिन खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की वह पहले गुमराह करता रहा। जब पुलिस ने सती दिखाई तो रोशनी की हत्या करना स्वीकार कर लिया। घटना में प्रयुक्त चाकू भी आरोपी के घर से जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी मुबिन खान पर पहले से दो केस दर्ज हैं।

होमगार्ड जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता ट्रांसपोर्ट नगर मल्टी में रहने वाले होमगार्ड जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि पुरूषोत्तम नामदेव उर्फ जग्गा (50) कोकता ट्रांसपोर्ट नगर मल्टी में रहता था और होमगार्ड में जवान था। जग्गा करीब बीस साल से जहांगीराबाद थाने की गा ?ी चला रहा था। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात जग्गा घर पर था। रात में वह लघुशंका करने के लिए उठा था। इसी दौरान चक्कर आने के बाद वह बाथरूम के पास गिर गया। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर जग्गा को मृत घोषित कर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022